प्रश्नपत्र–5 उच्च लेखांकन
(PAPER – 5 : ADVANCE ACCOUNTING)

भाग I : मई, 2016 की परीक्षा में लागू होने या न लागू होने को दर्शाती उद्घोषणाएँ

(अ) मई, 2016 परीक्षा में लागू

(i) **कम्पनी अधिनियम, 2013 एवं वैधानिक संशोधन**

31 अक्टूबर, 2015 तक नियामक संस्थाओं द्वारा कम्पनी अधिनियम, 2013 से संबंधित धाराएं एवं वैधानिक संशोधन विज्ञप्ति/परिपत्र/कानून या दिशा–निदेशों द्वारा किये गये हैं तो ऐसे परिवर्तन मई 2016 की परीक्षा में लागू होंगे।

(ii) **वैज्ञानिक तरलता अनुपात (SLR) का अनुरक्षण**

विज्ञप्ति सं, DBOD NO. Ref. BC.70/12.02.001/2014-15 दिनांक 3 फरवरी, 2015 के अनुसार, यह निश्चित किया गया कि सभी अनुसूचित व्यापारिक बैंक, स्थानीय क्षेत्र के बैंक तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की मांग एवं समय दायित्व 21.5% से कम नहीं होगा जो 7 फरवरी, 2015 को शुरू होने वाले पखवारे से प्रभावी होगा।

(iii) **रोकड़ संचय अनुपात** (CRR) **का अनुरक्षण**

भारतीय रिजर्व बैंक ने अनुसूचित व्यापारिक बैंकों के रोकड़ संचय अनुपात (CRR)को 25 बिन्दु से कम करने का निर्णय लिया जो कि **शुद्ध मांग एवं समय दायित्व (NDTL) का 4.25 प्रतिशत से 4 प्रतिशत** होगा जो विज्ञप्ति सं.–DBOD. No.Ref.BC.76/12.01.001/2012-13 दिनांक 29 जनवरी, 2013 द्वारा 9 फरवरी, 2013 को शुरू होने वाले पखवारे से प्रभावी होगा। स्थानीय क्षेत्र के बैंक भी अपनी शुद्ध मांग एवं समय दायित्व का 3% रोकड़ संचय अनुपात दिनांक 8 फरवरी, 2013 तक एवं 9 फरवरी, 2013 से शुरू होने वाले पखवारे से अपनी शुद्ध मांग एवं दायित्व का 4 प्रतिशत बनाये रखने का निर्वहन करेंगे।

(iv) **वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) को परिपक्वता श्रेणी में रखने के लिए**

सरकारी प्रतिभूति बाजार एवं उनकी तरलता को और बढ़ाने के सम्बन्ध में यह निर्णय लिया गया कि SLR प्रतिभूतियाँ जो HTM के अन्तर्गत आती हैं, NDTL को 24%से धीरे–धीरे 22% किया जायेगा। उक्त के अनुसार सुझाव दिया जाता है कि बैंक HTM श्रेणी में कुल विनियोग की सीमा को 25% तक बढ़ा सकती हैं। बशर्ते:

(अ) आधिक्य में केवल SLR प्रतिभूतियां शामिल।

(ब) 10 जनवरी, 2015 से SLR प्रतिभूतियाँ जो HTM की श्रेणी में आती हैं, उनको 23.50 प्रतिशत से अधिक से नहीं कर सकती है। 23.0 प्रतिशत 4 अप्रैल, 2015, 22.5 प्रतिशत 11 जुलाई, 2015 तथा 22.0 प्रतिशत 19 सितम्बर, 2015 से प्रभावी होगा। यह DTL पिछले शुक्रवार के द्वितीय पखवारे से लागू किया जायेगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

*यह परिवर्तन DBOD.No.BP.BC.42/21.04.14.141/2014-15 दिनांक 7 अक्टूबर, 2014 के अनुसार है।

(v) **व्यापारिक क्रियाओं के प्रारम्भ करने की तिथि में संशोधन**

परिपत्र संख्या DBOD.No.BP.BC.33/21.04.048/2014-15 दिनांक 14 अगस्त, 2014 में कहा कि व्यापारिक क्रियाओं के प्रारम्भ करने की तिथि में संशोधन (DCCO) तथा इसके परिणामस्वरूप पुनर्भुगतान अनुसूची के बराबर या छोटी अवधि (संशोधित पुनर्भुगतान अनुसूची की प्रारंभिक तिथि एवं अंतिम तिथि को शामिल करते हुए) को पुनः निर्माण नहीं माना जायेगा। बशर्ते

(अ) वित्तीय वर्ष बंद होने की तिथि से इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स एवं नॉन इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स क्रमशः संशोधित DCCO यदि दो वर्षों के अंतर्गत तथा मूल DCCO के एक वर्ष के अंतर्गत आता है।

(ब) ऋण की सभी अन्य शर्तें एवं दशाओं में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

(vi) **भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (अंश आधारित कर्मचारी लाभ) नियम, 2014 :**

सेबी की विज्ञप्ति संख्या LAD – NRO/GN/2014-15/16/1729 दिनांक 28 अक्टूबर, 2014 में सेबी ने (कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना)गाइडलाइन, 1999 को प्रतिस्थापित करते हुए उसके स्थान पर सेबी ने (अंश आधारित बेनिफिट) नियम, 2014 बनाया है। यह अधिनियम सूचियत कम्पनियों द्वारा निर्मित कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना में सूचित कम्पनियों द्वारा निर्मित। कर्मचारी स्टॉक क्रय योजना, स्टॉक वृद्धि अधिकार योजना, सामान्य कर्मचारी लाभ योजना एवं अवकाश लाभ योजना के संबंध में अनेके प्रावधान डील करता है। योग्य कर्मचारी की परिभाषा, क्षतिपूर्ति कमेटी की संरचना, अंशधारियों के निर्गमन की शर्तों का अनुमोदन, सूचीयन एवं उनकी पालना करना इत्यादि अधिनियम में शामिल। विज्ञप्ति की सम्पूर्ण जानकारी के लिए कृपया लिंक का सन्दर्भ

http://www.sebi.gov.in/cms/sebi_date/attachdocs/1414568485252.pdf

(ब) मई 2016 की परीक्षा में लागू नहीं होने वाले

(i) **कम्पनी मामलों के मंत्रालयों द्वारा निर्गमित द्वितीय लेखा मानक (IndASs)**

द्वितीय लेखा मानक मई, 2016 की परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों पर लागू नहीं होंगे।

(ii) **विद्युत कम्पनियाँ का वित्तीय प्रतिवेदन**

शीर्षक ''विद्युत कम्पनियों का वित्तीय विवरण'' नवम्बर 2015 एवं आगे की परीक्षा में शामिल नहीं है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

भाग—II : प्रश्न एवं उत्तर

प्रश्न

साझेदारी खाते

साझेदारी फर्म का विघटन

1. साझेदारी फर्म मेसर्स ओमेगा का विघटन 31.03.2015 को हुआ उक्त तिथि पर निम्न आर्थिक चिट्ठा था :

दायित्व	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ	राशि (₹)
लेनदार	2,00,000	स्थायी सम्पत्तियाँ	45,00,000
बैंक ऋण	5,00,000	रोकड़ एवं बैंक	2,00,000
एल का ऋण	10,00,000		
पूँजी :			
एल	15,00,000		
एम	10,00,000		
एस	5,00,000		
	47,00,000		47,00,000

साझेदारों का लाभों का हिस्सा समान है। एक चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स फर्म ने सम्पत्तियों की वसूली एवं दायित्वों के भुगतान के बाद रोकड़ का विभाजन किया है। सभी स्थायी व्ययों सहित ₹ 1,00,000 पारिश्रमिक निर्धारित किया है। स्थायी सम्पत्तियों में मूल्यवान भूमि एवं भवन को शामिल करने से, सम्पत्तियों की वसूली में हानि की सम्भावना नहीं है। वसूली निम्न है :

क्रम सं.	राशि (₹)
1	3,00,000
2	15,00,000
3	15,00,000
4	30,00,000
5	30,00,000

चार्टर्ड लेखाकार फर्म ने 'उच्च सापेक्ष पूँजी विधि' में साझेदारों को भुगतान करने का निर्णय लेती है।

आपको नगद वितरण का विवरण पत्र आवश्यक टिप्पणी सहित बनाना है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

साझेदारी फर्मों का एकीकरण

2. ए बी एण्ड कम्पनी में ए बी 2:1 के अनुपात में लाभ हानि के साझेदार हैं तथा सी एवं डी 3:2 लाभ हानि अनुपात के आधार पर सी डी एण्ड कम्पनी में साझेदार हैं। 1 अप्रैल, 2015 में दोनों फर्मों ने एकीकरण करने का निर्णय लिया और एक नई फर्म मेसर्स ए डी एण्ड कम्पनी बनाई जिसमें साझेदारों ए बी सी एवं डी का लाभ हानि अनुपात क्रमशः 2 : 1 : 3 : 2 होगा।

उक्त तिथि को आर्थिक चिट्ठा नीचे दिया है :

दायित्व	ए बी एण्ड कं.	सी डी एण्ड क.	सम्पत्तियाँ	ए बी एण्ड कं.	सी डी एण्ड कं.
पूँजी					
ए	1,50,000		भवन	75,000	90,000
बी	1,00,000		मशीनरी	1,20,000	1,00,000
सी		1,20,000	फर्नीचर	15,000	12,000
डी		80,000	स्कन्ध	24,000	36,000
संचय	66,000	54,000	व्यापारिक प्राप्य	65,000	78,000
व्यापारिक देय	52,000	35,000	सी डी एण्ड कम्पनी से बकाया	47,000	
ए बी एण्ड कं. का बकाया		47,000	बैंक में रोकड़	18,000	15,000
			हस्तस्थ रोकड़	4,000	5,000
	3,68,000	3,36,000		3,68,000	3,36,000

एकीकृत फर्म ने निम्नलिखित शर्तों के आधार पर व्यापार लिया है :

(अ) ए बी एण्ड कम्पनी एवं सी डी एण्ड कम्पनी के भवन को क्रमशः ₹ 1,00,000 एवं ₹ 1,25,000 में लिया।

(ब) ए बी एण्ड कम्पनी की ख्याति का मूल्य ₹ 75,000 तथा सी डी एण्ड कम्पनी की ख्याति का मूल्य 50,000 है। नई फर्म की पुस्तकों में ख्याति खाता नहीं खोला गया तथा समायोजन साझेदारों के पूँजी खातों में दर्ज किये गये।

(स) ए बी एण्ड कम्पनी में देनदार के सम्बन्ध में ₹ 5,000 तथा सी डी एण्ड कम्पनी के सम्बन्ध में ₹ 8,000 संदिग्ध ऋण के लिए आयोजन को आगे ले जाया गया।

आपसे अपेक्षित :

(i) ख्याति के लिये आवश्यक समायोजन की गणना।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ii) ए.डी एण्ड कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां कीजिये। यह मानते हुये कि पूंजी में आधिक्य या कमी को (डी. की पूँजी आधार मानते हुए) लाभ के सन्दर्भ के साथ चालू खातों में हस्तान्तरित करना है।

साझेदारी फर्म का कम्पनी को विक्रय

3. हैप्पी एण्ड कम्पनी एक साझेदारी फर्म है जिसमें मिस्टर ए, मिस्टर बी तथा मिस्टर सी 2 : 2 : 1 के लाभ–हानि अनुपात के आधार पर साझेदार हैं तथा सैद लि, कम्पनी समान व्यापार करती है। कम्पनी तथा फर्म का संक्षिप्त आर्थिक चिट्ठा 31.03.2015 को निम्नलिखित है :

दायित्व	हैप्पी एण्ड कम्पनी	सैद लिमिटेड	सम्पत्तियाँ	हैप्पी एण्ड कम्पनी	सैद लिमिटेड
	₹	₹	₹	₹	₹
समता अंश पूँजी :		20,00,000	प्लाण्ट एवं मशीनरी	5,00,000	16,00,000
समता अंश 10 ₹, वाले			फर्नीचर एवं फिक्चर्स	50,000	2,25,000
साझेदारों की पूँजी :			स्कन्ध	2,00,000	8,50,000
ए	2,00,000		व्यापारिक प्राप्य	2,00,000	8,25,000
बी	3,00,000		बैंक में रोकड	10,000	4,00,000
सी	1,00,000		हस्तस्थ में रोकड़	40,000	1,00,000
सामान्य संचय	1,00,000	7,00,000			
व्यापारिक देय	3,00,000	13,00,000			
	10,00,000	40,00,000		10,00,000	40,00,000

यह निर्णय लिया गया कि हैप्पी एण्ड कम्पनी का विघटन किया जायेगा तथा उसकी समस्त सम्पत्तियाँ (हस्तस्थ नगद एवं बैंक में रोकड़ छोड़कर) तथा समस्त दायित्वों को सैद लिमिटेड स्वीकार करेगी। इसके लिए सैद लि. ₹ 10 वाले 50,000 अंश का ₹ 2 प्रीमियम पर निर्गमन करेगी।

हैप्पी कम्पनी लि, के साझेदार सैद लि. में निर्गमित अंशों को अपने लाभ–हानि अनुपात में लेने के लिए सहमत हो गये तथा अपने पूँजी के निस्तारण के लिये आवश्यक नकद लायेंगे।

हैप्पी लि. के लेनदार में 100,000 सैद लि. को देय शामिल। पुस्तकों में निम्नलिखित दायित्व ₹ 25,000 को भी सैद लि. ने स्वीकार किया।

बनाइये :

(i) वसूली खाता, साझेदारों का पूँजी खाता, हाथ में रोकड़ तथा बैंक खाता हैप्पी कम्पनी लि. की पुस्तकों में बनाइये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ii) सैद लि. की पुस्तकों में हैप्पी एण्ड कम्पनी के अधिग्रहण करने के सम्बंध में जर्नल प्रविष्टियां कीजिये।

साझेदारी फर्म का कम्पनी में परिवर्तन

4. (अ) आकाश,अमन एवं अमित '3A एण्टरप्राइजेज' में क्रमशः 3:2:1 के लाभ हानि अनुपात में साझेदार हैं। 31 मार्च, 2015 को निम्न आर्थिक चिट्ठा हैं :

दायित्व	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ	राशि (₹)
आकाश का पूँजी खाता	16,80,000	भूमि एवं भवन	14,00,000
अमन का पूँजी खाता	11,60,000	मशीनरी	11,00,000
अमित का पूँजी खाता	6,70,000	फर्नीचर	6,10,000
सामान्य संचय	6,30,000	रहतिया	8,40,000
लेनदार	6,00,000	देनदार	6,00,000
		बैंक में रोकड़	1,90,000
	47,40,000		47,40,000

उपर्युक्त निर्धरित तिथि को साझेदारों ने फर्म को एक निजी लि. कम्पनी में परिवर्तन करने का निर्णय लिया तथा उसका नाम '3 Aएण्टरप्राइजेड (प्राइवेट) लि. होगा। कम्पनी बैंक में रोकड़ सहित समस्त सम्पत्तियों को स्वीकार करेगी तथा सभी लेनदार लेगी इसके लिए ₹ 42,00,000 के ₹ 10 वाले पूर्णदत्त अंश देय होंगे। पुस्तकों में भूमि एवं भवन ₹ 16,40,000 मशीनरी ₹ 9,90,000 एवं देनदारों के आयोजन के लिए 5% का लेखा किया जायेगा। व्यापार लेने के ₹ 23,000 के खर्च को कम्पनी भुगतान करेगी।

साझेदारों के बीच कम्पनी के अंशों का बँटवार लाभ–हानि के अनुपात में किया जायेगा। वे अपने खातों का निस्तारण रोकड़ देने या प्राप्त करने से करेंगे।

फर्म की पुस्तकों में वसूली खाता, सभी साझेदारों का पूँजीखाता बनाइये तथा उपर्युक्त के सम्बन्ध में कम्पनी के खातों में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

(ब) सीमित दायित्व वाली साझेदारी अधिनियम, 2008 के अनुसार सीमित दायित्व वाली साझेदारी फर्म (LLP) को कौन से वित्तीय प्रकटीकरण एवं रिटर्नस को फाइल करने की आवश्यकता है?

कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना

5. पी. लि. ने 1 अक्टूबर, 2010 को ₹ 10 वाले 8,000 समता अंश का ₹ 80 पर विकल्प स्वीकार किया जिसका बाजार मूल्य ₹ 170 है। स्वामित्व अधिकार का समय 4.5 वर्ष हैं। 1 दिसम्बर, 2012 को 4,000 अंशों के स्वामित्व अधिकार का विकल्प समाप्त कर दिया गया। 30 सितम्बर, 2015 तक 3,000 विकल्प का प्रयोग (exercised) किया गया एवं 1,000 स्वामित्व के अधिकार के विकल्प के प्रयोग (exercised) अवधि समाप्त हो गयी। उपर्युक्त के सम्बन्ध में जर्नल प्रविष्टियां कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रतिभूतियों का पुनः (वापसी) क्रय

6. अल्फा लि, का 31 मार्च, 2015 को संक्षिप्त आर्थिक चिट्ठा निम्न प्रकार है :

दायित्व	लाख में (₹)	सम्पत्तियाँ	लाख में (₹)
समता अंश पूँजी	2,400	मशीनरी	3,600
(प्रतिअंश ₹ 10 पूर्णप्रदत)		फर्नीचर	450
प्रतिभूति प्रीमियम	350	विनियोग	148
सामान्य संचय	530	स्कन्ध	1,200
पूँजी शोधन संचय	400	व्यापारिक प्राप्य	500
लाभ हानि खाता	340	बैंक में रोकड़	1,500
12% ऋणपत्र	1,500		
व्यापारिक देय	1,400		
अन्य चालू दायित्व	478		
	7,398		7,398

1 अप्रैल, 2015 को कम्पनी ने 25% समता अंशों को 15% ₹ प्रतिअंश पर वापस खरीदने की घोषणा की। इस उद्देश्य के लिए, समस्त विनियोग को ₹ 150 लाख में विक्रय किया गया।

5 अप्रैल, 2015 तक कम्पनी ने पुनः खरीद लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

आपको बनाना है :

(1) पुनः क्रय के सम्बन्ध में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

(2) अंशों के पश्चात् अल्फा लि. का आर्थिक चिट्ठा बनाइए।

प्रतिभूतियों का अभिगोपन

7. सौरव फ्लोर मिल प्राइवेट लि. ने 1,50,000 अंशों का एक सार्वजनिक निर्गमन सममूल्य पर निकाला जिसका अंकित मूल्य ₹ 10 है। अ, ब, एवं स ने निर्गमित अंशों का समान अनुपात में अभिगोपन किया साथ में क्रमशः 25,000,20,000 तथा 20,000 अंशों का फर्म अभिगोपन किया। 1,46,000 अंशों के लिए आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से चिह्नित आवेदन पत्र निम्न थे :

अ–24,600 ब– 20,000 स–15,000

अचिह्नित आवेदन पत्रों को अभिगोपकों को समान दिये गये। अभिगोपन कमीशन 5% की सहमति हुई। कुल ₹ 5 आवेदन एवं आबंटन में देय तथा बाकी याचना पर। अग्रलिखित की गणना कीजिए :

© The Institute of Chartered Accountants of India

(i) प्रत्येक अभिगोपक के दायित्व (अंश एवं राशि में) यदि व्यक्तिगत अभिगोपकों को फर्म अभिगोपन का लाभ नहीं दिया जाता है।

(ii) अभिगोपकों को देय कमीशन

(iii) अभिगोपकों को शुद्ध रोकड़ प्राप्त/देय

ऋणपत्रों का शोधन

8. अलिया लि. ने भारत एण्ड कं. की ₹ 5,00,000 की सम्पत्ति तथा 70,000 के लेनदार लिये जिसके लिये ₹ 5,50,000 के 10% प्रीमियम पर 12% पूर्णप्रदत ऋणपत्र निर्गमन पर सहमति हुई। इन ऋणपत्रों का शोधन 3 वर्ष पश्चात् 5% प्रीमियम पर होगा। ऋणपत्रों के निर्गमन एवं शोधन की तिथि पर बिना ब्याज के जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

कम्पनियों का एकीकरण

9. रैकलेस लि. का 31 मार्च, 2015 को चिट्ठा निम्न है :

		राशि (₹)
सम्पत्तियाँ :		
स्वकीय सम्पत्ति		2,20,000
मशीनरी		1,77,000
फर्नीचर एवं फिटिंग्स		90,800
स्कन्ध	(₹)	3,87,400
व्यापारिक प्राप्य	95,000	
घटायें : संदिग्ध ऋणों के लिए संचय	4,000	91,000
हस्तस्थ रोकड़		2,300
बैंक में रोकड़		1,56,500
		11,25,000
दायित्व :		
60,000 समता अंश ₹ 10 प्रति अंश		6,00,000
समामेलन से पूर्व लाभ		21,000
सम्भाव्य संचय		1,35,000
लाभ हानि खाता		1,26,000
व्यापारिक देय		1,33,000
आयकर के लिए आयोजन		1,10,000
		11,25,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

व्यापारिक प्राप्य में देनदारों का ₹ 80,000 तथा प्राप्त बिल का ₹ 15,000 शामिल है। व्यापारिक देय में लेनदार का ₹ 1,13,000 तथा स्वीकार्य का ₹ 20,000 है।

केयर फुल लि. ने 31 मार्च, 2015 को रैकलेस लि. को लेने का निर्णय लिया, सम्पत्तियों का मूल्यांकन निम्न है :

	₹
प्राप्य बिल	15,000
स्वकीय सम्पत्ति	4,00,000
फर्नीचर एवं फिटिंग्स	80,000
मशीनरी	1,60,000
स्टॉक	3,45,000

1/4 प्रतिफल की सन्तुष्टि संचयी लाभांश वाले 13% पूर्णप्रदत्त पूर्वाधिकार अंश ₹ 100 वाले के निर्गमन द्वारा किया गया। शेष राशि का भुगतान केयर फुल लि. के ₹ 10 वाले समता अंशों के द्वारा होगा जो ₹ 8 चुकता है।

विविध देनदारों से ₹ 79,500 वसूल हुए, स्वीकृत का निस्तारण 19,000 में किया गया। आयकर के प्राधिकारी द्वारा आयकर के ₹ 1,11,600 दायित्व निर्धारित किया। समापन व्यय के ₹ 4,000 व्यय के बाद शेष बची रोकड़ से लेनदारों का अन्तिम निस्तारण किया गया।

आपसे आपेक्षित है :

(i) केयर फुल लि. द्वारा प्रतिफल के निस्तारण में अबंटित किये गये समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंशों की संख्या की गणना कीजिये।

(ii) रैकलेस लि. की पुस्तकों में महत्वपूर्ण खाते बनाइये।

कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण

10. मैसर्स एक्सलेम लि. ने अपनी अत्यधिक भारी हानि के कारण पुनर्निर्माण करने का निर्णय लिया। पुनर्निर्माण के पूर्व 31 मार्च, 2015 को संक्षिप्त चिट्ठा निम्न प्रकर है :

दायित्व	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ	राशि (₹)
अंश पूँजी :		भूमि एवं भवन	42,70,000
50,000 पूर्णदत्त ₹ 50 वाले		मशीनरी	8,50,000
अंश	25,00,000	कम्प्यूटर	5,20,000
1,00,000 अंश ₹ 50 प्रति		स्कन्ध	3,20,000
अंश ₹ 40 चुकता	40,00,000	व्यापारिक प्राप्य	10,90,000
पूँजी संचय	5,00,000	बैंक में रोकड	2,68,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

8% ऋणपत्र ₹ 100 वाले	4,00,000	लाभ–हानि खाता	29,82,000
12% ऋणपत्र ₹ 100 वाले			
व्यापारिक लेनदार	6,00,000		
अदत्त व्यय	12,40,000		
	10,60,000		
	1,03,00,000		1,03,00,000

मिस्टर अ एवं मिस्टर ब का मैसर्स एक्सलेम लि, में निम्न विनियोग है :

	मिस्टर अ	मिस्टर ब
8% ऋणपत्र	3,00,000	1,00,000
12%ऋणपत्र	4,00,000	2,00,000
कुल	7,00,000	3,00,000

न्यायालय एवं सम्बन्धित पक्षकारों के सहमति से आन्तरिक पुनर्निर्माण की योजना निम्नलिखित लागू की गई :

(i) न माँगी गई पूँजी को पूर्ण रूप से मांगा गया तथा समस्त अंशों को ₹ 40 प्रति अंशों में बदल दिया गया।

(ii) अंशधारी पूर्णदत्त ₹ 40 वाले 12,50,000 समता अंशों के लिये रोकड़ में देने के लिये सहमत हो गये।

(iii) व्यापारिक लेनदारों के समक्ष विकल्प दिया गया कि वो या तो अपनी कुल देय राशि के लिये ₹ 40 वाले पूर्णदत्त अंश स्वीकार करें या अपने सम्पूर्ण देय के लिये 70% रोकड़ स्वीकार करें। ₹ 7,50,000 के लेनदारों ने समता अंश लेना स्वीकार किया तथा शेष बचे हुये लेनदारों ने रोकड़ भुगतान द्वारा सम्पूर्ण भुगतान का निस्तारण किया।

(iv) मिस्टर अ अपने कुल ऋणपत्रों में से ₹ 2,00,000 निरस्त करने को सहमत होने के साथ ही बचे हुये अपने ऋणपत्रों के बदले 15% ऋणपत्र लेने के लिये सहमत हो गये। वह इसके अतिरिक्त 15% वाले ₹ 100,000 के ऋणपत्र नगद में अभिदत्त करने पर सहमत हो गये।

(v) मिस्टर ब अपने देय ऋणपत्रों की राशि में से ₹ 50,000 के ऋणपत्रों को निरस्त करने पर सहमत हुये तथा शेष राशि के लिये 15% वाले ऋणपत्रों को लेना स्वीकार किया।

(vi) भूमि भवन का पुनर्मूल्यांकन ₹ 51,84,000 में किया गया, मशीनरी ₹ 7,20,000, कम्प्यूटर ₹ 4,00,000, स्कन्ध का ₹ 3,50,000 तथा व्यापारिक प्राप्य को चिट्ठे में दिखाये गये मूल्य से 10% कम पर पुनर्मूल्यांकन किया गया।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(vii) अदत्त व्ययों का पूर्ण भुगतान नकद में किया गया।

(viii) लाभ हानि खाते को अपलिखित किया गया तथा पूँजी कटौती/कमी खाते की शेष राशि को पूँजी संचय खाते में समायोजित किया जायेगा।

आपसे अपेक्षित है कि उपर्युक्त समस्त लेन देनों के लिये आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिये। पुनर्निर्माण के तुरन्त बाद का चिट्ठा बनाइये।

कम्पनी का समापन

11. केयरलेस लि. के समापन के समय निम्न स्थिति थी :

5,000, 10% पूर्वाधिकार अंश ₹ 100 वाले ₹ 60 चुकता

2,000, समता अंश ₹ 75 वाले ₹ 50 चुकता

असुरक्षित लेनदार ₹ 99,000

समापन व्यय ₹ 1000

निस्तारक को धनदाता से याचना की राशि प्राप्त होगी, उस पर 2% कमीशन दिया जायेगा।

आप निस्तारक का अन्तिम विवरण पत्र बनाइये यदि सम्पूर्ण सम्पत्तियों के वसूली से ₹ 3,80,400 प्राप्त होता है।

बीमा कम्पनियों के वित्तीय विवरण पत्र

12 (अ) रिलाइबिल मैरिन बीमा कम्पनी लिमिटेड के 31 मार्च, 2015 की निम्न सूचनाओं से शुद्ध अर्जित प्रीमियम की गणना कीजिये :

	प्रत्यक्ष व्यापार (₹)	पुनर्बीमा (₹)
प्रीमियम :		
प्राप्त	17,60,000	1,50,400
प्राप्य 01.04.2014	87,800	7,200
प्राप्य 31.03.2015	75,400	6,400
भुगतान	1,21,800	
देय 01.04.2014		5,400
देय 31.03.2015		3,600

(ब) मॉर्डन बीमा कम्पनी का अग्नि बीमा विभाग 31 मार्च, 2015 को आगम खाते में दिखाये गये बीमा दावों को प्रदर्शित करते हुए निम्न विवरण प्रस्तुत करती है :

	प्रत्यक्ष व्यापार (₹)	पुर्नबीमा (₹)
वर्ष के दौरान दावे का भुगतान	7,06,000	1,64,000
दावे प्राप्त		64,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

दावे देय :		
1 अप्रैल, 2014		11,600
31 मार्च, 2015	1,64,600	17,400
दावे प्राप्य :	1,75,000	
1 अप्रैल, 2014		17,000
31 मार्च, 2015		28,400
प्रबन्ध पर व्यय (इसमें ₹ 7,600 पर्ववेक्षक की फीस एवं ₹ 8,400 कानूनी व्यय दावे निस्तारण के शामिल)	69,000	

बैंकिंग कम्पनियों का वित्तीय विवरण पत्र

13. 31.03.2015 वर्ष के अन्त में निम्नलिखित सूचनाओं से व्यापारिक बैंकों के लाभ हानि खाते में दिखाये जाने वाले प्रावधानों की गणना कीजिए :

सम्पत्तियाँ (अग्रिम श्रेणी की)	लाख (₹)
प्रमाप (Standard) अग्रिम	5,000
सब– प्रमाप (Sub-Standard)अग्रिम	3,500
(सुरक्षित एक्सपोजर (secured exposures) ₹ 1,000 लाख शामिल एवं शेष असुरक्षित एक्सपोजर ₹ 2,500 लाख शामिल, इसमें से ₹ 1,500 लाख का इन्फ्रास्ट्रक्चर ऋण खाता जो escrow खाते में उपलब्ध)	
संदिग्ध अग्रिम– असुरक्षित अंश	1,600
संदिग्ध अग्रिम – सुरक्षित अंश	
1 वर्ष के लिये संदिग्ध	500
1 वर्ष से अधिक तथा 3 वर्ष तक के लिये संदिग्ध	600
तीन वर्ष से अधिक के लिये संदिग्ध	300
अग्रिम हानि	100

विभागीय खाते

14. 31.03.2015 को मिस्टर मोहन का निम्न तलपट है :

	विवरण	डेबिट (₹)	क्रेडिट (₹)
पूँजी खाता			40,000
आहरण खाता		1,500	

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रारम्भिक रहतिया :	विभाग (अ)	8,500	
	विभाग (ब)	5,700	
	विभाग (स)	1,200	
क्रय	विभाग (अ)	22,000	
	विभाग (ब)	17,000	
	विभाग (स)	8,000	
विक्रय	विभाग (अ)		54,000
	विभाग (ब)		33,000
	विभाग (स)		21,000
विक्रय वापसी	विभाग (अ)	4,000	
	विभाग (ब)	3,000	
	विभाग (स)	1,000	
भाड़ा एवं ढुलाई	विभाग (अ)	1,400	
	विभाग (ब)	800	
	विभाग (स)	200	
फर्नीचर एवं फिटिंग		4,600	
प्लाण्ट एवं मशीनरी		20,000	
मोटर वाहन		40,000	
विविध देनदार		12,200	
विविध लेनदार			15,000
वेतन		4,500	
पॉवर एवं पानी		1,200	
टेलीफोन व्यय		2,100	
डूबत ऋण		750	
किराया एवं कर		6,000	
बीमा		1,500	
मजदूरी	विभाग (अ)	800	
	विभाग (ब)	550	
	विभाग (स)	150	
छपाई एवं स्टेशनरी		2,000	
विज्ञापन		3,500	
बैंक अधिविकर्ष			12,000
हस्तस्थ में रोकड़		850	
		1,75,000	1,75,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

निम्नलिखित समायोजनाओं को ध्यान में रखते हुए आपको विभागीय व्यापार एवं लाभ हानि खाता एवं चिट्ठा बनाइये :

(अ) अदत्त मजदूरीः विभाग, (ब) ₹ 150 तथा विभाग (स) – ₹ 50

(ब) प्लाण्ट एवं मशीनरी तथा मोटर वाहन पर 10% ह्रास

(स) समस्त व्यय को प्रत्येक विभाग बिक्री के अनुपात में वहन करेगा।

(द) अन्तिम रहतिया : विभाग (अ) ₹ 3,500, (ब) ₹ 2,000, (स) ₹ 1,500

शाखा खाते

15. अल्फा लि, के प्रबन्धक की देखभाल में एक खुदरा दुकान है। वर्ष 31 मार्च, 2015 में पूरे वर्ष बिक्री पर सकल लाभ का 25% लाभ स्थिर रहा है।

शाखा के कमीशन की गणना से पूर्व प्रबन्धक को अपने शाखा के लाभ पर 10 प्रतिशत कमीशन पाने का अधिकार है। बशर्ते कमीशन की राशि शाखा स्टॉक के 25% की कमी के बराबर होगी। शाखा को समस्त माल की पूर्ति मुख्य कार्यालय से होती है।

31 मार्च, 2015 को मैनेजर/प्रबन्धक को देय कमीशन की गणना उपर्युक्त सूचनाओं के आधार पर कीजिए।

	राशि (₹)		राशि (₹)
प्रारम्भिक रहतिया (लागत पर)	74,736	आरोपित व्यय	49,120
शाखा को माल प्रेषित (लागत पर)		अन्तिम रहतिया (विक्रय	
बिक्री	2,89,680	मूल्य)	1,23,328
शाखा के प्रबन्धक के खाते में	3,61,280		
कमीशन का भुगतान	2,400		

विदेशी शाखा

16. ओमेगा लि. एक भारतीय कम्पनी है जिसकी एक शाखा न्यूयार्क (अमेरिका) मे है। 31 मार्च, 2015 को शाखा के तलपट में निम्न शेष थे :

विवरण	US$ (डेबिट)	US$ (क्रेडिट)
स्थायी सम्पत्तियाँ	51,200	
प्रारम्भिक स्टॉक	22,400	
क्रय/विक्रय	96,000	1,66,400
मुख्य कार्यालय द्वारा माल भेजा	32,000	
आन्तरिक गाड़ी भाड़ा	400	

© The Institute of Chartered Accountants of India

शाखा व्यय		
मुख्य कार्यालय खाता	4,800	
विविध देनदार/लेनदार		45,600
रोकड़ एवं बैंक	9,600	6,800
	2,400	
	2,18,800	2,18,800

निम्नलिखित अतिरिक्त सूचनायें हैं :

1. अदत्त व्यय 400 $
2. अपलिखित मूल्य पर स्थायी सम्पत्ति पर 10% ह्रास
3. मुख्य कार्यालय ने शाखा को माल भेजा ₹ 15,80,000
4. मुख्य कार्यालय के खाता में शाखा से बकाया राशि ₹ 20,50,000
5. अन्तिम रहतिया 21,500$
6. वर्ष के प्रारम्भ या अन्त में कोई भी मार्गस्थ (transit) मदें नहीं हैं।
7. 1 अप्रैल, 2013 को जब स्थायी सम्पत्तियों का क्रय किया गया था तब विनिमय दर 1$ = ₹ 43। 1 अप्रैल 2014 को विनिमय दर 1$ = ₹ 47 तथा 31 मार्च, 2015 को विनिमय दर 1$ = ₹ 50 थी। वर्ष के दौरान औसत विनिमय दर एक 1$ = ₹ 45 थी।

आप अमेरिका शाखा द्वारा भेजे गये तलपट को भारतीय मुद्रा में परिवर्तन कीजिए।यह मानते हुए कि शाखा भारतीय कम्पनियों के साथ एकीकृत विदेशी व्यापार करती है। विनिमय लाभ/हानि की गणना कीजिये एवं लेखा प्रमाप 11 के आधार पर लेखांकन व्यवहार कीजिए।

लेखा मानक पर आधारित समस्यायें

लेखा मानक 4 : चिट्ठे की तिथि के उपरान्त घटने वाली आकस्मिकताएं एवं घटनायें

17. 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये एफ लि. ने अपने वित्तीय विवरण पत्र को अंतिम रूप प्रदान किया। 30 जून, 2015 को अनुमोदित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदन किया गया।

(1) 31 मई, 2015 की रात को भयानक आग लगने के कारण कारखाना नष्ट हो गया। सम्पत्ति ₹ 25 लाख की हानि का अनुमान है।

(2) अन्य कम्पनी द्वारा अप्रैल, 2015 से ₹ 50 लाख के अतिरिक्त विनियोग से दो उत्पादन इकाई का अधिग्रहण,करके व्यापार प्रारम्भ करने का समझौता किया।

(3) 1 अप्रैल, 2015 एवं 1 जून, 2015 तक की अवधि के दौरान में विदेशी विनिमय की हानि के कारण सम्पत्तियों का मूल्य ₹ 30 लाख कम हो गया।

© The Institute of Chartered Accountants of India

आपसे आग्रह है कि उपर्युक्त सूचनाओं को वार्षिक लेखे में किस प्रकार दिखाया जायेगा बताइये।

लेखा मानक 11 : विदेशी विनिमय दर में परिवर्तन के प्रभाव

(ब) एक्स वाई जेड लि. की पुस्तकों में 31.03.2015 को व्यापारिक प्राप्य में उमेश से प्राप्य ₹ 5,00,000 शामिल जिसका लेखा विक्रय तिथि पर प्रचलित विनिमय दर *i.e.* 1$ = ₹ 58.50 1$ = ₹ 61.20 31.03.2015 को लेखा करते हुये दिखाया गया।

लेखा प्रमाप 11 के आधार पर 31.03.2015 को संक्षिप्त रूप से बताइये कि उक्त के लिये क्या लेखाकंन व्यवहार होगा।

लेखा मानक 12 : सरकारी अनुदान (सहायता) हेतु लेखांकन

18. (अ) स्मार्ट लि. ने मान्यता प्राप्त पिछड़े इलाके में एक व्यापार की स्थापना की जिसमें भारत सरकार से कुल विनियोग का 25% अनुदान प्राप्त करने का प्रावधान है। कम्पनी ने योग्य विनियोग में ₹ 80 करोड़ का विनियोग किया। अनुदान प्राप्त करने की योग्यता के कारण कम्पनी को सरकार से फरवरी 2014 में ₹ 20 करोड़ की सरकारी अनुदान प्राप्त हुआ। कम्पनी अपने वाटम लाइन (bottom line) को विकसित करने के लिये सरकारी अनुदान के रूप में मान्यता चाहती है।

क्या आप लेखामानक के अनुसार उक्त क्रियाओं को मान्यता प्रदान करेगें?

लेखा प्रमाप 16: ऋण लेने की लागतें

(ब) टिपटाप लि. ने अपने आवासीय परियोजना के लिये वित्तीय वर्ष 2014–15 के प्रारम्भ में 4% की दर से 10,00,000 US $ उधार लिया। ब्याज का भुगतान वित्तीय वर्ष के अन्त में देय है। प्रयोग के समय विनिमय दर ₹ 56 प्रति US $ थी एवं 31 मार्च, 2015 को विनिमय दर ₹ 62 प्रति US $ थी। यदि टिपटाप लि. समान राशि भारत में ऋण लेता तो ऋण का मूल्य 10.50% होता। ऋण की लागत की गणना कीजिए तथा लागू होने वाले लेखा प्रमाप के आधार पर 31 मार्च, 2015 के अन्त में विनिमय अन्तर की गणना कीजिये।

लेखा प्रमाप 19 : पट्टे

19. (अ) रेयान इण्टरनेशनल लि. ने एक मशीन को 36 माह के लिये पट्टे पर दिया। मशीन का उपयोगी जीवन 60 माह है। लागत एवं उचित बाजार मूल्य ₹ 500,000 है। राशि का भुगतान तीन वार्षिक समान किस्तों में करना है। पट्टा लेने वाला पट्टा देने वाले को पट्टा समाप्त होने पर मशीन वापस करेगा। तीन वर्ष के अन्त में गैर गारण्टी अवशिष्ट मूल्य ₹ 50,000 है। विनियोग का 1RR 10% है। ₹ 1 का तीन वर्ष के पश्चात् 10% 1RR की दर पर वार्षिकी (Annuity) का मूल्य ₹ 2.4868 है। 10% 1RR की दर से तीन वर्ष पश्चात् देय ₹ 1 का वर्तमान मूल्य 0.7513 है।

आप तर्क देते हुये बताइये कि यह वित्तीय पट्टा होगा या परिचालन पट्टा होगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

लेखा प्रमाप 20 : प्रति अंश उपार्जन

(ब) निम्नलिखित सूचनाओं से प्रति अंश मौलिक एवं समायोजित उपार्जन की गणना कीजिये :

वर्ष 2013–14 के लिये शुद्ध लाभ	11 लाख
वर्ष 2014–15 के लिये शुद्ध लाभ	15 लाख
अधिकार अंश से पूर्व निर्गमित अंशों की संख्या	5 लाख
अधिकार निर्गमन	प्रत्येक 5 के लिये एक
अधिकार विकल्प का मूल्य	₹ 15 प्रति अंश
अधिकार विकल्प का प्रयोग करने की अन्तिम तिथि	1.06.2014
अधिकार निर्गमन के पूर्व अंशों का बाजार मूल्य	21 प्रति अंश

लेखा प्रमाप 26 : अमूर्त सम्पत्तियाँ

(अ) 31.03.2015 के चिट्ठे में अल्फा लि. ने ₹ 30 लाख मूल्य की अमूर्त सम्पत्तियाँ दिखाई है। 01.04.2010 को 80 लाख की सम्पत्तियों का अधिग्रहण किया था जो उक्त तिथि को प्रयोग के लिये उपलब्ध थीं। कम्पनी सीधी रेखा पद्धति के आधार पर 8 वर्षों में अमूर्त सम्पत्तियों के अपलेखन की नीति अपनाते हैं। आप लेखा पुस्तकों में किस प्रकार व्यवहार करेंगें, यदि 01.04.2015 को सर्वोत्तम विधि के आधार पर, सर्वोत्तम अनुमानित अवधि 10 वर्ष के लिये उपयोग के लिये उपलब्ध है।

लेखा प्रमाप 29 : आयोजन, संदिग्ध दायित्व तथा संदिग्ध सम्पत्तियाँ

(ब) सन लि, ने एक्स लि, के साथ ₹ 5 करोड के ठेके की बिक्री का अनुबंध किया। वित्तीय वर्ष 2013–14 के दौरान उक्त लेन देन से एक करोड़ का लाभ हुआ। वित्तीय वर्ष 2014–15 के प्रथम माह में वस्तु की सुपुर्दगी स्थान लेगी। यदि सन लि. निश्चित तय समय में वस्तु की सुपुर्दगी में असमर्थ रहता है तो उसको ₹ 1.5 करोड़ एक्स को क्षतिपूर्ति के देने होंगे। सन लि. ने वित्तीय वर्ष 2013–14 के अन्त में माल के उत्पादन की योजना बनाई। चिट्ठा अवधि 31.03.2014 को माल का उत्पादन नहीं हो सका तथा दुर्भाग्यवश सन लि. को अपने ठेके के दायित्व को पूरा करना होगा।

(i) क्या सन लि, का लेखांकन मानक 29 के अनुसार संदिग्धता प्रदान की जानी चाहिए?

(ii) लाभ से अधिक क्षतिपूर्ति के भुगतान के लिए क्या आयोजन किया जाना चाहिए?

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रस्तावित उत्तर

1. मिस्टर ओमेगा की पुस्तकों में

साझेदारों के बीच विभाजित होने वाले रोकड़ का विवरण पत्र

(उच्च सापेक्षिक पूँजी पद्धति के तहत)

विवरण					पूँजी खाता		
	उपलब्ध राशि	लेनदार	बैंक ऋण	एल का ऋण	एल	एम	एस
	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹
देय शेष		2,00,000	5,00,000	10,00,000	15,00,000	10,00,000	5,00,000
प्रथम किस्त (रोकड़ एवं बैंक शेष को शामिल करते हुए)	5,00,000						
घटाइए : निस्तारक का व्यय	1,00,000						
घटाइए : लेनदार तथा बैंक ऋण का 2:5 में भुगतान	4,00,000						
	(4,00,000)	(1,14,286)	(2,85,714)	–	–	–	–
बकाया शेष		85,714	2,14,286	10,00,000	15,00,000	10,00,000	5,00,000
द्वितीय किस्त							
घटाइए : लेनदार को भुगतान एवं पूर्ण भुगतान में बैंकों के ऋणों का पुनः भुगतान	15,00,000 (3,00,000)	(85,714)	(2,14,286)	–	–	–	–
बकाया शेष	12,00,000	–	–	10,00,000	15,00,000	10,00,000	5,00,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

घटाइए : ऋण का पुनः भुगतान	(10,00,000)	–	–	(10,00,000)	–	–	–
	2,00,000	–	–	–	15,00,000	10,00,000	5,00,000
घटाइए : मि. एल को उच्च सापेक्षिक पूँजी का भुगतान (W.N.1)	(2,00,000)				(2,00,000)	–	–
		–	–	–	13,00,000	10,00,000	5,00,000
तृतीय किस्त पर देय राशि	15,00,000						
घटाइए : उच्च सापेक्षिक पूँजी के लिए मि. एल का भुगतान W.N.2	(3,00,000)				(3,00,000)	–	–
	12,00,000				10,00,000	10,00,000	5,00,000
घटाइए : पूँजी आधिक्य के लिए मि. एल एवं मि. एम को भुगतान	(10,00,000)				(5,00,000)	(5,00,000)	–
	2,00,000				5,00,000	5,00,000	5,00,000
सभी साझेदारों को बराबर भुगतान	(2,00,000)				(66,667)	(66,667)	(66,666)
शेष देय	–	–	–	–	4,33,333	4,33,333	4,33,334
चौथी किस्त	30,00,000						
घटाइए : प्रत्येक साझेदारों को बराबर बराबर भुगतान	(30,00,000)				(10,00,000)	(10,00,000)	(10,00,000)
वसूली के लाभ को साझेदार के खाते में क्रेडिट	–	–	–	–	5,66,667	5,66,667	5,66,666
पाँचवीं किस्त	30,00,000						

© The Institute of Chartered Accountants of India

घटाइए : सभी साझेदारों में बराबर बराबर भुगतान	(30,00,000)				10,00,000	10,00,000	10,00,000
वसूली लाभ को साझेदारों के पूँजी खाते में क्रेडिट					15,66,667	15,66,667	15,66,666

कार्यशील टिप्पणियाँ

(i) द्वितीय किस्त का आधिक्य ₹ 2,00,000 के भुगतान की योजना

			पूँजी खाते
	एल	एम	एस
शेष (i)	15,00,000	10,00,000	5,00,000
लाभ हानि अनुपात (ii)	1	1	1
एस के पूँजी को आधार लिया (iii)	5,00,000	5,00,000	5,00,000
पूँजी आधिक्य (iv) = (i) – (iii)	10,00,000	5,00,000	
लाभ विभाजन अनुपात	1	1	
एम की पूँजी को आधार मानकर अतिरिक्त पूँजी (v)	5,00,000	5,00,000	
उच्च सापेक्षिक अतिरेक (iv) – (v)	5,00,000		

इसलिये मि. एल सर्वप्रथम ₹ 5,00,000 प्राप्त करेंगे जिससे पूंजी खाते का शेष नीचे लायेंगे ₹ 15,00,000 से ₹ 10,00,000। आधिक्य ₹ 2,00,000 मि. एक्स को उच्च सापेक्षिक पूँजी के रूप में भुगतान किया जायेगा।

(ii) तृतीय किस्त में वसूल ₹ 15,00,000 के बँटवारे की योजना :

–मिस्टर एल को ₹ 3,00,000 उच्च सापेक्षिक पूँजी के लिए भुगतान किया जायेगा।

–इससे मि. एल तथा मि. एम की पूंजी मि. एस की तुलना में ₹ 5,00,000 अधिक होगी।

– मिस्टर एल तथा मिस्टर एम प्रत्येक को ₹ 5,00,000 उच्च पूँजी के निस्तारण के लिये भुगतान किया जायेगा।

–तथा शेष ₹ 2,00,000 तीनों एल, एम, एस को समान रूप से क्रमशः ₹ 66,667, ₹ 66,667 तथा ₹ 66,666 का भुगतान किया जायेगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

2. (i) ख्याति खाता खोलने एवं बंद करने के लिये समायोजन

	पुराने लाभालाभ अनुपात में ख्याति खाते को खोलना			ख्याति का नये अनुपात में अपलेखन	अन्तर
	अ ब एण्ड कम्पनी	स द एण्ड कम्पनी	योग	अ, द एण्ड कम्पनी	
	₹	₹	₹	₹	₹
अ	50,000		50,000 क्रेडिट	31,250 डेबिट	18,750 क्रेडिट
ब	25,000		25,000 क्रेडिट	15,625 डेबिट	9,375 क्रडिट
स		30,000	30,000 क्रेडिट	46,875 डेबिट	16,875 डेबिट
द		20,000	20,000 क्रेडिट	31,250 डेबिट	11,250 डेबिट
	75,000	50,000	1,25,000	1,25,000	

(ii) **ए. डी. कम्पनी लि. की पुस्तकों में**

जर्नल प्रविष्टियाँ

दिनांक	विवरण		डेबिट	क्रेडिट
1 अप्रैल 2015	भवन खाता	डेबिट	1,00,000	
	मशीनरी खाता	डेबिट	1,25,000	
	फर्नीचर खाता	डेबिट	15,000	
	स्टॉक खाता	डेबिट	24,000	
	देनदार खाता	डेबिट	65,000	
	सी. डी. एण्ड कम्पनी खाता	डेबिट	47,000	
	बैंक में रोकड़ खाता	डेबिट	18,000	
	हस्तस्थ रोकड़ खाता	डेबिट	4,000	
	To सदिग्ध ऋणों के लिये आयोजन			5,000
	To लेनदार खाता			52,000
	To अ का पूँजी खाता (W.N. 2a)			2,10,667
	To ब का पूँजी खाता (W.N 2a)			1,30,333
	(समझौते में निश्चित की गई दर से विविध सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेने पर)			

© The Institute of Chartered Accountants of India

1 अप्रैल 2015	भवन खाता डेबिट	1,25,000	
	मशीनरी खाता डेबिट	1,10,000	
	फर्नीचर खाता डेबिट	12,000	
	स्टॉक खाता डेबिट	36,000	
	देनदार खाता डेबिट	78,000	
	बैंक में रोकड़ खाता डेबिट	15,000	
	हस्तस्थ रोकड़ खाता डेबिट	5,000	
	To सदिग्ध ऋणों के लिये आयोजन		8,000
	To लेनदार खाता		35,000
	To अ ब एण्ड कम्पनी खाता		47,000
	To स का पूँजी खाता (W.N. 2b)		1,74,600
	To द का पूँजी खाता (W.N 2b)		1,16,400
	(समझौते में निश्चित की गई दर से सी डी एण्ड कम्पनी विविध सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेने पर सहमत)		
	स का पूँजी खाता डेबिट	16,875	
	द का पूँजी खाता डेबिट	11,250	
	To अ का पूँजी खाता		18,750
	To ब का पूँजी खाता		9,375
	(पूँजी खाते में ख्याति खाते का समायोजन)		
	अ, ब एण्ड कम्पनी खाता डेबिट	47,000	
	To सी. डी. एण्ड कम्पनी खाता		47,000
	(आपसी ऋण अ, ब एण्ड कम्पनी एवं सी. डी. एण्ड कम्पनी के निरस्त)		
	अ का पूँजी खाता डेबिट	1,24,267	
	To अ का चालू खाता		1,24,267
	(अ के पूँजी खाते के आधिक्य को अ के चालू खाते में हस्तान्तरण करने पर W.N.3)		
	ब का पूँजी खाता डेबिट	87,133	
	To ब का चालू खाता		87,133
	(ब के पूँजी खाते के आधिक्य को ब के चालू खाते में हस्तान्तरण करने पर W.N.3)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

कार्यशील टिप्पणियाँ

(1) **वसूली खाते पर लाभ**

		अ, ब एण्ड कम्पनी	सी. डी एण्ड कम्पनी
		₹	₹
भवन	(1,00,000 – 75,000)	25,000	
	(1,25,000 – 90,000)		35,000
मशीनरी	(1,25,000 – 1,20,000)	5,000	
	(1,10,000 – 1,00,000)		10,000
		30,000	45,000
घटाइए : संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान		(5,000)	(8,000)
		25,000	37,000

(2) **साझेदारों के पूँजी खाते को अ, द एण्ड कम्पनी के व्यापार में हस्तान्तरण**

(अ) अ ब एण्ड कम्पनी

	अ का पूँजी खाता	ब का पूँजी खाता
	₹	₹
चिट्ठे के अनुसार शेष	150,000	1,00,000
लाभ–हानि अनुपात में संचय	44,000	22,000
लाभ हानि अनुपात में वसूली खाते का लाभ (W.N.1)	16,667	8,333
	2,10,667	1,30,333

(ब) सी.डी. एण्ड कम्पनी

	सी. का पूँजी खाता	डी. का पूँजी खाता
	₹	₹
चिट्ठे के अनुसार शेष	1,20,000	80,000
लाभ–हानि अनुपात में संचय	32,400	21,600
लाभ–हानि अनुपात में वसूली खाते का लाभ (W.N.1)	22,200	14,800
	1,74,600	1,16,400

© The Institute of Chartered Accountants of India

(3) **नई फर्म में प्रत्येक साझेदार के पूँजी की गणना**

विवरण	ए	बी	सी	डी
	₹	₹	₹	₹
W.N. 2 के अनुसार शेष	2,10,667	1,30,333	1,74,600	1,16,400
ख्याति के लिये समायोजन	18,750	9,375	(16,875)	(11,250)
	2,29,417	1,39,708	1,57,725	1,05,150
कुल पूँजी 4,20,600* नये अनुपात में 2:1:3:2	(1,05,150)	(52,575)	(1,57,725)	(1,05,150)
चालू खाते में हस्तांतरण	1,24,267 क्रेडिट	87,133 क्रेडिट		

*डी. की पूँजी को आधार मानते हुए जो कि कुल पूँजी का 2/8 है। कुल पूँजी होगी 1,05,150 × 8/2 = ₹ 4,20,600

3. (i) **हैप्पी एण्ड कम्पनी की पुस्तको में**

वसूली खाता

	₹		₹
प्लाण्ट एवं मशीनरी	5,00,000	ब्यापारिक देय	3,00,000
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	50,000	सैद लि, (W.N.)	6,00,000
व्यापार में स्टॉक	2,00,000	साझेदारों का पूंजी खाता (हानि)	
व्यापारिक प्राप्य	2,00,000	अ का पूँजी खाता	20,000
		ब का पूँजी खाता	20,000
		स का पूँजी खाता	10,000
	9,50,000		9,50,000

साझेदारों का पूँजी खाता

	अ ₹	ब ₹	स ₹		अ ₹	ब ₹	स ₹
वसूली खाता	20,000	20,000	10,000	शेष राशि	2,00,000	3,00,000	1,00,000
सैद लि, में अंश	2,40,000	2,40,000	1,20,000	बी/डी सामान्य संचय	40,000		20,000
रोकड़	–	80,000	–	रोकड़	20,000	40,000	10,000
						–	
	2,60,000	3,40,000	1,30,000		2,60,000	3,40,000	1,30,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

रोकड़ एवं बैंक खाता

	₹	₹		₹	₹
शेष बी/डी	40,000	10,000			
बैंक खाता (C)	10,000		रोकड़ खाता(C)	–	10,000
अ	20,000	–	ब	80,000	–
स	10,000				
	80,000	10,000		80,000	10,000

यहाँ यह माना गया है कि साझेदार 'ब' के भुगतान के लिए बैंक से रोकड़ निकाला गया है।

(ii) **सैद लि, पुस्तकों में**

जर्नल लेखे

		डेबिट	क्रेडिट
1.	व्यापार क्रय खाता डेबिट	6,00,000	
	To हैप्पी एण्ड कम्पनी का निस्तारक खाता		6,00,000
	(हैप्पी एण्ड कम्पनी के व्यापार को खरीदा तथा क्रय प्रतिफल देय)		
2.	प्लाण्ट एवं मशीनरी खाता डेबिट	5,00,000	
	फर्नीचर एवं फिक्चर्स खाता डेबिट	50,000	
	स्कन्ध खाता डेबिट	2,00,000	
	व्यापारिक प्राप्य खाता डेबिट	2,00,000	
	To व्यापारिक देय खाता		3,00,000
	To असुरक्षित दायित्व खाता		25,000
	To व्यापार क्रय खाता		6,00,000
	To पूँजी संचय (शेष राशि)		25,000
	(सभी सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेने पर)		
3.	हैप्पी एण्ड कम्पनी का निस्तारक खाता डेबिट	6,00,000	
	To समता अंश पूँजी खाता		5,00,000
	To प्रतिभूति प्रीमियम खाता		1,00,000
	(क्रय प्रतिफल का भुगतान ₹ 10 प्रति अंश ₹ 2 प्रीमियम पर निर्गमित कर निपटारा किया गया)		
4.	व्यापारिक देय खाता	1,00,000	
	To व्यापारिक प्राप्य खाता		1,00,000
	(आपसी लेनदेनों द्वारा निरस्त किया गया)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

कार्यशील टिप्पणियाँ

क्रय प्रतिफल की गणना

50,000 समता अंश ₹ 12 वाले = ₹ 6,00,000

साझेदारों को दिये जाने वाले समता अंश

अ साझेदार	=	20,000 @ ₹ 12 = 2,40,000
ब साझेदार	=	20,000 @ ₹ 12 = 2,40,000
स साझेदार	=	10,000 @ ₹ 10 = 1,20,000

4. (अ) **3A एण्टरप्राईजेज की पुस्तकों में**

वसूली खाता

	₹		₹
भूमि एवं भवन	14,00,000	लेनदार	6,00,000
मशीनरी	11,00,000	3A एण्टरप्राईजेज प्राईवेट	
फर्नीचर	6,10,000	लि, खाता	42,00,000
स्टॉक	8,40,000		
देनदार	6,00,000		
बैंक में रोकड़	1,90,000		
आकाश का पूँजी खाता	30,000		
अमन का पूँजी खाता	20,000		
अमित का पूँजी खाता	10,000		
	48,00,000		48,00,000

साक्षेदारों का पूँजी खाता

	आकाश	अमन	अमित		आकाश	अमन	अमित
	₹	₹	₹		₹	₹	₹
3A इण्टर प्राईजेज प्राईवेट लि, का अंश खाता	21,00,000	14,00,000	7,00,000	शेष बी/डी	16,80,000	11,60,000	6,70,000
				सामान्य संचय	3,15,000	2,10,000	1,05,000
				वसूली खाता (लाभ)	30,000	20,000	10,000
बैंक खाता (निपटारा)			85,000	बैंक खाता (निपटारा)	75,000	10,000	
	21,00,000	14,00,000	7,85,000		21,00,000	14,00,000	7,85,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

3A एण्टरप्राईजेज के पुस्तकों में लेखे

जर्नल लेखे

			₹	₹
1.	व्यापार क्रय खाता	डेबिट	42,00,000	
	To मिस्टर 3A एण्टरप्राईजेज खाता			42,00,000
	(व्यापार क्रय के लिये प्रतिफल देय)			
2.	भूमि एवं भवन खाता	डेबिट	16,40,000	
	मशीनरी खाता	डेबिट	9,90,000	
	फर्नीचर खाता	डेबिट	6,10,000	
	रहतिया खाता	डेबिट	8,40,000	
	देनदार खाता	डेबिट	6,00,000	
	बैंक खाता	डेबिट	1,90,000	
	To लेनदार खाता			6,00,000
	To संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन खाता			30,000
	To व्यापार क्रय खाता			42,00,000
	To पूँजी संचय खाता (शेष राशि)			40,000
	(₹ 42,00,000 में समस्त सम्पत्तियों एवं दायित्वों को स्वीकार करने एवं शेष राशि पूँजी संचय में हस्तान्तरण करने पर)			
3.	पूँजी संचय खाता (अधिग्रहण के व्यय)	डेबिट	23,000	
	To बैंक खाता			23,000
	(अधिग्रहण के व्यय को पूँजी संचय खाते में डेबिट करने पर)			
4.	मिस्टर 3A एण्टरप्राइजेज खाता	डेबिट	42,00,000	
	To समता अंश पूँजी खाता			42,00,000
	(क्रय प्रतिफल के भुगतान के लिये पूर्णदत्त समता अंशों का आबंटन)			

(ब) एक सीमित दायित्व वाली साझेदारी (LLP) को अपनी लेखांकन से सम्बन्धित पुस्तकें इस अधिनियम की धारा 34 में दिये गये प्रावधान व नियमों के अनुसार रखना आवश्यक है। लेखा पुस्तकें, रोकड़ लेखांकन के आधार पर या अर्जित लेखांकन विधि के अनुसार दोहरा लेखा पद्धति का पालन करते हुए रजिस्टर्ड ऑफिस में रखी जाती है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रत्येक सीमित दायित्व वाली साझेदारी (LLP) संस्था को प्रत्येक वित्तीय वर्ष की 6 माह की अवधि में लेखों का विवरण तथा अपनी शोधन क्षमता का प्रमाणपत्र सीमित दायित्व वाली साझेदारी के मनोनीत साझेदार द्वारा हस्ताक्षर कर पूर्ण रूप से प्रमाणित करके देना पड़ता है। प्रत्येक सीमित दायित्व वाली साझेदारी (LLP) को प्रत्येक वर्ष शोधन क्षमता एवं खातों का विवरण निश्चित फीस के साथ निर्धारित फर्म में रजिस्ट्रार के यहाँ देना होता है। उक्त नियमों में निर्धारित नियमों के अनुसार सीमित दायित्व वाली साझेदारी के खातों का अंकेक्षण जरूरी है।

सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) अधिनियम की धारा 35 (1) के अनुसार रजिस्ट्रार के अनुमोदन से नियमानुसार फीस एवं विधि के साथ प्रत्येक वर्ष समाप्ति के 60 दिन के अन्दर अपना रिर्टन फार्म दाखिल करना अनिवार्य है।

5. पी. लिमिटेड की पुस्तकों में

जर्नल लेखे

दिनांक	विवरण	राशि	राशि
31.03.2011	कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता डेबिट	80,000	
	To कर्मचारी स्टॉक विकल्प अदत्त खाता		80,000
	(6 महिने का क्षतिपूर्ति व्यय कर्मचारी स्टॉक विकल्प खाते में मान्यता प्राप्त 8,000 कर्मचारी स्टॉक विकल्प को ₹ 90 की छूट पर सीधी रेखा पद्धति द्वारा $4^{1/2}$ वर्षों में अपलिखित)		
	{(8000 स्टॉक विकल्प × 90)/4.5 वर्ष } × 0.5 (W.N.1)		
	लाभ हानि खाता डेबिट	80,000	
	To कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता		80,000
	(वर्ष के अन्त में लाभ–हानि खाते में व्ययों को हस्तान्तरण करने पर)		
31.03.2012	कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता डेबिट	1,60,000	
	To कर्मचारी स्टॉक विकल्प अदत्त खाता		1,60,000
	(क्षतिपूर्ति व्यय को कर्मचारी स्टॉक विकल्प के रूप में मान्यता मिली। 8,000 विकल्प अनुमोदित छूट पर ₹ 90 प्रति, सीधी रेखा पद्धति द्वारा $4^{1/2}$ वर्षों में अपलेखन)		
	{(8000 स्टॉक विकल्प × 90)/4.5 वर्ष } × 1 वर्ष		
	लाभ हानि खाता डेबिट	1,60,000	
	To कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता		1,60,000
	(वर्ष के अन्त में लाभ हानि खाते में व्ययों को हस्तान्तरण करने पर)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

31.03.2013	कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता डेबिट To कर्मचारी स्टॉक विकल्प अदत्त खाता (क्षतिपूर्ति व्यय को कर्मचारी स्टॉक विकल्प के रूप में मान्यता मिली है। 4,000 विकल्प अनुमोदित छूट पर ₹ 90 प्रति, सीधी रेखा पद्धति द्वारा $4^{1/2}$ वर्षों में अपलेखन) (4000 स्टॉक विकल्प × 90)/4.5 वर्ष	80,000	80,000
	कर्मचारी स्टॉक विकल्प अदत्त खाता (W.N.2) डेबिट To सामान्य संचय खाता (W.N.2) (कर्मचारी क्षतिपूर्ति के आधिक्य को सामान्य संचय खाते में हस्तान्तरण किया)	1,20,000	1,20,000
	लाभ हानि खाता डेबिट To कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता (वर्ष के अन्त में व्ययों को लाभ–हानि खाते में हस्तान्तरण करने पर)	80,000	80,000
31.03.2014	कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता डेबिट To कर्मचारी स्टॉक विकल्प अदत्त खाता (क्षतिपूर्ति व्यय को कर्मचारी स्टॉक विकल्प के रूप में मान्यता मिली। 4,000 विकल्प अनुमोदित छूट पर ₹ 90 प्रति अंश। सीधी रेखा पद्धति के आधार पर अपलेखन $4^{1/2}$ वर्षों में) (4000 स्टॉक विकल्प × 90)/4.5 वर्ष	80,000	80,000
	लाभ हानि खाता डेबिट To कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता (वर्ष के अन्त में व्ययों को लाभ–हानि खाते में हस्तान्तरण करने पर)	80,000	80,000
31.03.2015	कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता डेबिट To कर्मचारी स्टॉक विकल्प अदत्त खाता (क्षतिपूर्ति व्यय को कर्मचारी स्टॉक विकल्प के रूप में मान्यता मिली। 4,000 विकल्प अनुमोदित छूट पर ₹ 90 प्रति अंश। सीधी रेखा पद्धति के आधार पर अपलेखन $4^{1/2}$ वर्षों में) (4000 स्टॉक विकल्प × 90)/4.5 वर्ष	80,000	80,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

	लाभ हानि खाता डेबिट	80,000	
	To कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय खाता		80,000
	(वर्ष के अन्त में व्ययों को लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण करने पर)		
30.09.2015	बैंक खाता (3000 × 80) डेबिट	2,40,000	
	कर्मचारी स्टॉक विकल्प अदत्त खाता डेबिट	2,70,000	
	To समता अंश पूँजी खाता (3000 × 10)		30,000
	To प्रतिभूति प्रीमियम (170–10) × 3000)		4,80,000
	(3,000 कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना का प्रयोग ₹ 80 प्रति अंश के हिसाब से किया)		
	कर्मचारी स्टॉक विकल्प अदत्त खाता (W.N.3) डेबिट	90,000	
	To सामान्य संचय खाता (W.N.3)		90,000
	(1000 अंशों के विकल्प की अवधि पार करने पर कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ESOS) अदत्त खाते का हस्तान्तरण सामान्य संचय खाते में किया गया)		

कार्यशील टिप्पणियाँ

(1) उचित मूल्य = 170–80 = ₹ 90

(2) 1.12.12 को स्वामित्व के अधिकार की विकल्प अवधि पार हो गई, जिससे पहले से व्यय को सामान्य संचय में हस्तान्तरण = (80,000 + 1,60,000) × 4000 / 8000 = ₹ 1,20,000

(3) 1000 विकल्प की अवधि पार करने पर व्यय को सामान्य संचय खाते में हस्तान्तरण करने पर = 1000 × 90 = ₹ 90,000

6. अल्फा लिमिटेड की पुस्तकों में

जर्नल लेखे

दिनांक	विवरण	डेबिट (लाख)	क्रेडिट (लाख)
1 अप्रैल, 2015	बैंक खाता डेबिट	150	
	To विनियोग खाता		148
	To विनियोग के विक्रय पर लाभ खाता		2
	(विनियोग को लाभ पर बेचने पर)		
5 अप्रैल, 2015	समता अंश पूँजी खाता डेबिट	600	
	प्रतिभूति प्रीमियम खाता डेबिट	300	
	To समता अंश पुनः क्रय खाता		900
	(समता अंशधारियों का पुनः क्रय पर राशि देय)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

	समता अंश पुनः क्रय खाता डेबिट To बैंक खाता (60 लाख अंश के पुनः क्रय पर भुगतान किया गया)	900	 900
5 अप्रैल 2015	सामान्य संचय खाता डेबिट लाभ–हानि खाता डेबिट To पूँजी शोधन संचय खाता (नियमानुसार अंशों के पुनः क्रय की राशि के बराबर मुक्त संचय से पूँजी शोधन संचय खाते में हस्तान्तरण किया गया)	530 70	 600

चिट्ठा (पुनः क्रय के बाद)

विवरण		नोट न.	राशि (लाख)
I.	**समता एवं दायित्व**		
	(1) **अशंधारियों का कोष**		
	(अ) अंश पूँजी	1	1800
	(ब) संचय एवं आधिक्य	2	1322
	(2) **गैर–चालू दायित्व**		
	(अ) दीर्घकालीन उधार–12% ऋणपत्र		1500
	(3) **चालू दायित्व**		
	(अ) व्यापारिक देय		1400
	(ब) अन्य चालू दायित्व		478
	योग		6,500
II.	**सम्पत्तियाँ**		
	(1) **गैर– चालू सम्पत्तियाँ**		
	(अ) स्थायी सम्पत्तियाँ		
	(i) दृश्य सम्पत्तियाँ	3	4050
	(2) **चालू सम्पत्तियाँ**		
	(अ) चालू विनियोग		
	(ब) स्कन्ध		1200
	(स) व्यापारिक प्राप्य		500
	(द) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य(W.N)		750
	योग		6500

© The Institute of Chartered Accountants of India

लेखांकन की टिप्पणियाँ

1	**अंश पूँजी**			
	समता अंश पूँजी (₹ 10 वाले पूर्णप्रदत्त अंश)			
2	**संचय एवं आधिक्य**			1,800
	सामान्य संचय	530		
	घटाइए : CRR में हस्तान्तरण	(530)		
	पूँजी शोधन संचय	400		
	जोड़िए : लाभ–हानि खाते से अंशों के पुनः क्रय के कारण हस्तांतरण	70		
	अंशों के पुनः क्रय के कारण सामान्य संचय से हस्तान्तरण	530		
	प्रतिभूति प्रीमियम	350	1,000	
	घटाइए : अंशों के पुनः क्रय पर प्रीमियम के भुगतान का समायोजन	(300)		
	लाभ–हानि खाता	340	50	
	जोड़िए : विनियोग के विक्रय पर लाभ	2		
	घटाइए : CRR में हस्तान्तरण	(70)	272	1,322
3	**दृश्य सम्पत्तियाँ**			
	मशीनरी		3,600	
	फर्नीचर		450	4,050

कार्यशील टिप्पणियाँ

पुनः खरीद के बाद बैंक में रोकड़

	लाख में
1 अप्रैल, 2015 को रोकड़ शेष	1,500
जोड़िए : विनियोग का विक्रय	150
	1,650
घटाइए : अंशों के पुनर्खरीद पर भुगतान	900
	750

© The Institute of Chartered Accountants of India

7. (i) **प्रत्येक अभिगोपक के दायित्व की गणना (अंश तथा राशि में)**

(अंशों की संख्या)

	अ	ब	स	योग
सकल दायित्व	50,000	50,000	50,000	1,50,000
घटाइए : चिह्नित आवेदन पत्र (फर्म अभिगोपन के अतिरिक्त)	(24,600)	(20,000)	(15,000)	(59,600)
शेष	25,400	30,000	35,000	90,400
घटाइए : अचिन्हित आवेदन पत्र फर्म अभिगोपन सहित	(28,800)	(28,800)	(28,800)	86,400
शुद्ध दायित्व	(3,400)	1,200	6,200	4,000
घटाइए : अ के आधिक्य को ब एवं स में आबंटन	3,400	(1,200)	(2,200)	–
	–	–	4,000	4,000
जोड़िए : फर्म अभिगोपन	25,000	20,000	20,000	65,000
कुल दायित्व अंशों में	25,000	20,000	24,000	69,000
कुल दायित्व राशि में @ 10	2,50,000	2,00,000	2,40,000	6,90,000

(ii) **कमीशन देय** = 50,000 × 10 × 5% = ₹ 2,5000 प्रत्येक

(ii) **अभिगोपकों को देय राशि की गणना**

	अ	ब	स	योग
कुल दायित्व राशि में	2,50,000	2,00,000	2,40,000	6,90,000
घटाइए : अभिगोपन के अन्तर्गत 5% अभिगोपन कमीशन देय	(25,000)	(25,000)	(25,000)	(75,000)
	2,25,000	1,75,000	2,15,000	6,15,000
पूर्व से भुगतान @ 5	(1,25,000)	(1,00,000)	(1,00,000)	(3,25,000)
शुद्ध राशि देय (₹)	1,00,000	75,0000	1,15,000	2,90,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

8. **अलिया लिमिटेड का जर्नल**

			₹	₹
1	विविध सम्पत्तियाँ खाता	डेबिट	5,00,000	–
	ख्याति (शेष राशि)	डेबिट	1,20,000	–
	To लेनदार खाता		–	70,000
	To भारत एण्ड कम्पनी खाता			5,50,000
	(भारत एण्ड कम्पनी से व्यापार का क्रय)			
2	भारत एण्ड कम्पनी	डेबिट	5,50,000	
	ऋणपत्रों के निर्गमन पर हानि	डेबिट	25,000	
	To 12% ऋणपत्र खाता			5,00,000
	To प्रतिभूति प्रीमियम खाता			50,000
	To ऋणपत्रों के शोधन प्रीमियम खाता			25,000
	(5,000 12% ऋणपत्रों का 10% प्रीमियम पर निर्गमन तथा 5% प्रीमियम पर देय)			
3	लाभ हानि खाता	डेबिट	1,25,000	
	To ऋणपत्र शोधन संचय खाता			
	(ऋणपत्रों की कुल राशि का 25% की दर से ऋणपत्र शोधन संचय खाते का निर्माण किया गया)			1,25,000
4	ऋणपत्र शोधन संचय विनियोग खाता	डेबिट	75,000	
	To बैंक खाता			75,000
	(ऋणपत्र मूल्य के 15%के बराबर ऋणपत्र शोधन संचय (DRR) विनियोग खाता बनाया)			
5	बैंक खाता	डेबिट	75,000	
	To ऋणपत्र शोधन संचय विनियोग खाता			75,000
	(ऋणपत्र शोधन संचय विनियोग (DRR) से वसूला गया)			
6	12% ऋणपत्र खाता	डेबिट	5,00,000	
	ऋणपत्र शोधन पर प्रीमियम खाता	डेबिट	25,000	
	To ऋणपत्रधारी खाता			5,25,000
	(शोधन पर राशि देय)			

© The Institute of Chartered Accountants of India

7	ऋणपत्रधारी खाता To बैंक खाता (ऋणपत्रधारी को भुगतान किया गया)	डेबिट	5,25,000	 5,25,000
8	ऋणपत्र शोधन संचय खाता To सामान्य संचय खाता (ऋणपत्र शोधन संचय (DRR) को सामान्य संचय में हस्तान्तरण करने पर)	डेबिट	1,25,000	 1,25,000

9. (i) **केयर फुल लि, द्वारा क्रय प्रतिफल भुगतान के लिए आबंटित समता एवं पूर्वाधिकार अंशों की गणना**

क्रय प्रतिफल की गणना	₹
सम्पत्ति को स्वीकार करने के लिए समझौता मूल्य	
प्राप्य बिल	15,000
स्वकीय सम्पत्ति	4,00,000
फर्नीचर एवं फिटिंग्स	80,000
मशीनरी	1,60,000
स्कन्ध	3,45,000
	10,00,000

क्रय प्रतिफल का निपटारा

1. 13% पूर्वाधिकार अंशों के आबंटन पर भुगतान
   = 10,00,000 × =
   = ₹ 2,50,000
   13% पूर्वाधिकार अंशों की संख्या प्रति अंश ₹ 100
   = 2,50,000/100 = 2,500 पूर्वाधिकार अंश
2. समता अंशों के आबंटन पर भुगतान
   = 10,00,000 – 2,50,000 = ₹ 7,50,000
   एक समता अंश का चुकता मूल्य = ₹ 8
   इसलिए, आबंटित समता अंशों की संख्या
   = 7,50,000/8 = 93,750 समता अंश

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ii) रेकलेस लि. की पुस्तकों में लेजर खाता

वसूली खाता

	राशि		राशि
स्वकीय सम्पत्ति	2,20,000	लेनदार	1,13,000
मशीनरी	1,77,000	स्वीकृत	20,000
फर्नीचर एवं फिटिंग्स	90,800	कर के लिए आयोजन	1,10,000
स्कन्ध	3,87,400	संदिग्ध ऋण के लिए	4,000
विविध देनदार	80,000	आयोजन	10,00,000
प्राप्य बिल	15,000	केयरफुल लि,	
रोकड़ / बैंक :		रोकड़ / बैंक :	
स्वीकृत	19,000	विविध देनदार	79,500
कर के लिए आयोजन	1,11,600		
लेनदार	1,03,700		
रोकड़ / बैंक :			
समापन व्यय	4,000		
लाभ	1,18,000		
	13,26,500		13,26,500

रोकड़ एवं बैंक खाता

शेष बी / डी (रोकड़ एवं बैंक)	1,56,500	वसूली खाता (स्वीकृत) कर के लिये आयोजन	19,000
हस्तस्थ रोकड़	2,300		1,11,600
वसूली खाता	79,500	वसूली खाता (व्यय)	4,000
		वसूली खाता [लेनदार (शेष राशि)]	1,03,700
	2,38,300		2,38,300

समता अंशधारियों का खाता

केयर फुल लि. के 13% संचयी पूर्वाधिकार अंश	2,50,000	समता अंश पूँजी खाता	6,00,000
		समामेलन के पूर्व लाभ	21,000
केयर फुल लि. के समता अंश		संभाव्य संचय	1,35,000
	7,50,000	लाभ–हानि खाता	1,26,000
		वसूली खाता	1,18,000
	10,00,000		10,00,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

केयर फुल लि. खाता

वसूली खाता	10,00,000	केयर फुल लि. के 13% संचयी पूर्वाधिकार अंश	2,50,000
		केयर फुल लि. के समता अंश	7,50,000
	10,00,000		10,00,000

10. **जर्नल लेखे**

		₹	₹
बैंक खाता	डेबिट	10,00,000	
To समता अंश पूँजी खाता			10,00,000
(अन्तिम याचना पर राशि प्राप्त हुई)			
समता अंश पूँजी खाता (₹ 50)	डेबिट	75,00,000	
To समता अंश पूँजी खाता (₹ 40)			60,00,000
To पूँजी कमी खाता			15,00,000
(पुननिर्माण योजना के तहत ₹ 50 वाले समता अंशों को ₹ 40 वाले समता अंशों में परिवर्तन)			
बैंक खाता	डेबिट	12,50,000	
To समता अंश पूँजी खाता			12,50,000
(₹ 40 वाले नये अंशों का आबंटन करने पर)			
व्यापारिक देय खाता	डेबिट	12,40,000	
To समता अंश पूँजी खाता			7,50,000
To बैंक खाता (4,90,000 × 70%)			3,43,000
To पूँजी कमी खाता			1,47,000
(पुनर्निर्माण योजना के तहत व्यापारिक लेनदार का 70% तक अंश एवं रोकड़ में भुगतान)			
8% ऋणपत्र खाता	डेबिट	3,00,000	
12% ऋणपत्र खाता	डेबिट	4,00,000	
To 'अ' का खाता			7,00,000
(अ के 8% एवं 12% ऋणपत्रों को निरस्त करने पर)			

© The Institute of Chartered Accountants of India

'अ' का खाता	डेबिट	8,00,000	
To 15% ऋणपत्र खाता			6,00,000
To पूँजी कमी खाता			2,00,000
(पुनर्निर्माण योजना के अर्न्तगत नये 15% ऋणपत्रों का निर्गमन किया गया तथा शेष राशि पूँजी कमी खाते में हस्तान्तरण किया गया)			
बैंक खाता	डेबिट	1,00,000	
To 'अ' का खाता			1,00,000
(अ द्वारा नये ऋणपत्रों को अभिदत्त किया गया)			
8% ऋणपत्र खाता	डेबिट	1,00,000	
12%ऋणपत्र खाता	डेबिट	2,00,000	
To 'ब' का खाता			3,00,000
('ब' के 8% एवं 12% ऋणपत्रों को निरस्त करने पर)			
'ब' खाता	डेबिट	3,00,000	
To 15% ऋणपत्र खाता			2,50,000
To पूँजी कमी खाता			50,000
(15% ऋणपत्रों का निर्गमन किया गया तथा शेष राशि पूँजी कमी खाते में हस्तान्तरण की गई)			
भूमि एवं भवन खाता	डेबिट	9,14,000	
(51,84,000 − 42,70,000)			
स्कन्ध खाता	डेबिट	30,000	
To पूँजी कमी खाता			9,44,000
(सम्पत्ति के मूल्यों मे बढ़ोत्तरी का लेखा)			
अदत्त व्यय खाता	डेबिट	10,60,000	
To बैंक खाता			10,60,000
(अदत्त व्ययों का नकद में भुगतान)			
पूँजी कमी खाता	डेबिट	33,41,000	
To मशीनरी खाता			1,30,000
To कम्प्यूटर खाता			1,20,000
To व्यापारिक प्राप्य खाता			1,09,000
To लाभ हानि खाता			29,82,000
(पूँजी कमी खाते से लाभ–हानि खाते का डेबिट शेष तथा अन्य सम्पत्तियों की कटौती को समायोजित किया गया)			

© The Institute of Chartered Accountants of India

पूँजी संचय खाता डेबिट	5,00,000	
To पूँजी कमी खाता		5,00,000
(पूँजी कमी खाते के डेबिट शेष को पूँजी संचय खाते द्वारा समायोजित किया गया)		

31.03.2015 को Xylem Ltd का आर्थिक चिट्ठा (जैसा कम किया गया)

विवरण		नोट्स	₹
समता एवं दायित्व			
1.	**अंशधारियों का कोष**		
	(अ) अंशपूँजी	1	80,00,000
2.	**गैर–चालू दायित्व**		
	(अ) दीर्घकालीन उधार	2	8,50,000
	योग		88,50,000
सम्पत्तियाँ			
1.	**गैर–चालू सम्पत्तियाँ**		
	(अ) स्थायी सम्पत्तियाँ		
	दृश्य सम्पत्तियाँ	3	63,04,000
2.	**चालू सम्पत्तियाँ**		
	(अ) स्कन्ध		3,50,000
	(ब) व्यापारिक देनदार		9,81,000
	(स) रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		12,15,000
	योग		**88,50,000**

खातों पर टिप्पणियाँ

1.	**अंश पूँजी**		
	2,00,000 समता अंश ₹ 40 वाले		80,00,000
2.	**दीर्घकालीन उधार**		
	सुरक्षित		
	15% ऋणपत्र (सुरक्षित मान कर)		8,50,000
3	**दृश्य सम्पत्तियाँ**		
	भूमि एवं भवन	51,84,000	
	मशीनरी	7,20,000	
	कम्प्यूटर	4,00,000	63,04,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

क्रियात्मक नोट्स

1. रोकड एवं बैंक खाता

विवरण	₹	विवरण	₹
शेष बी/डी	2,68,000	व्यापारिक लेनदार	3,43,000
समता अंश पूँजी खाता	10,00,000	अदत्त व्यय खाता	10,60,000
समता अंश पूँजी खाता	12,50,000	शेष सी/डी (शेष राशि)	12,15,000
'अ' का खाता	1,00,000		
	26,18,000		26,18,000

2. पूँजी कमी खाता

विवरण	₹	विवरण	₹
मशीनरी खाता	1,30,000	समता अंश पूँजी खाता	15,00,000
कम्प्यूटर खाता	1,20,000	व्यापारिक देय खाता	1,47,000
व्यापारिक प्राप्य खाता	1,09,000	'अ' का खाता	2,00,000
लाभ–हानि खाता	29,82,000	'ब' का खाता	50,000
		भूमि एवं भवन खाता	9,14,000
		स्कन्ध खाता	30,000
		पूँजी संचय खाता	5,00,000
	33,41,000		33,41,000

11. निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता

प्राप्तियाँ	₹	भुगतान	₹
सम्पत्तियाँ से वसूली	3,80,400	समापन व्यय	1,000
धनदाता से याचना	20,000	निस्तारक का पारिश्रमिक	400
समता अंश@10(W.N)		असुरक्षित लेनदार	99,000
		पूर्वाधिकार अंशधारी	3,00,000
	4,00,400		4,00,400

© The Institute of Chartered Accountants of India

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

(i) कोष में कमी की गणना	
कुल राशि उपलब्ध	3,80,400
घटाइए : समापन व्यय	1,000
शेष	3,79,400
घटाइए : असुरक्षित लेनदार	99,000
शेष	2,80,400
घटाइए : पूर्वाधिकारी अंशधारी	3,00,000
कोष की कमी	19,600

(ii) कमी एवं याचना पर (समता अंशधारी की याचना पर) देय कमीशन के लिये अपेक्षित कोष की गणना

$$\text{कोष की कमी} = \frac{100}{100 - \text{कमीशन की दर}} = 19600 \times \frac{100}{100-2}$$

$$= \frac{19,600 \times 100}{98} = ₹\ 20,000$$

(iii) 2,000 अंशों पर अयाचित पूँजी @ ₹ 25 = ₹ 50,000

(iv) याचना की जाने वाली राशि (न्यूनतम कोष की आवश्यकता एवं अयाचित पूँजी) *i.e.* ₹ 20,000

(v) याचना पर कमीशन = 20,000 × 2 / 100 = ₹ 400

12. (अ) शुद्ध प्रीमियम अर्जित

प्रत्यक्ष व्यापार से प्रीमियम प्राप्त	17,60,000	
जोड़िए : 31.03.2015 को प्राप्य	75,400	
जोड़िए : 01.04.2014 को प्राप्य	87,800	17,47,600
जोड़िए : स्वीकृत पुनर्बीमा पर प्रीमियम	1,50,400	
जोड़िए : 31.03.2015 में प्राप्य	6,400	
घटाइए : 01.04.2014 में प्राप्य	(7,200)	1,49,600
		18,97,200
घटाइयें : पुनर्बीमा प्रीमियम अर्पित (Ceded)	1,21,800	
जोड़िए : 31.03.2015 की देय	3,600	
घटाइए : 01.04.2014 को देय	(5,400)	
		(1,20,000)
शुद्ध अर्जित प्रीमियम		17,77,200

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ब) मॉर्डन बीमा कम्पनी (दावे की राशि की गणना का सारांश)

शुद्ध दावे इनकर्ड (Incurred)

		(₹)
प्रत्यक्ष व्यापार के दावों का भुगतान (7,06,000+7,600 +8,400) (₹)		7,22,000
जोड़िए : पुनर्बीमा	1,64,000	
जोड़िए : 31.03.2015 को अदत्त	17,400	
घटाइए : 01.04.2014 को अदत्त	(11,600)	1,69,800
		8,91,800
घटाइए : पुनर्बीमा से दावे प्राप्त	64,000	
जोड़िए : 31.03.2015 को अदत्त	28,400	
घटाइए : 01.04.2014 को अदत्त	(17,000)	(75,400)
		8,16,400
जोड़िए : वर्ष के अन्त में प्रत्यक्ष अदत्त दावे		1,75,000
		9,91,400
घटाइए : वर्ष के प्रारम्भ में प्रत्यक्ष अदत्त दावे		(1,64,600)
शुद्ध दावे इनकर्ड (incurred)		8,26,800

13. सम्पत्तियों पर किये गये आयोजन की राशि का विवरण पत्र

सम्पत्तियाँ	राशि	% में	लाख में प्रावधान
	₹	प्रावधान	₹
प्रमापित	5,000	0.40	20
उप प्रमापित :			
सुरक्षित	1,000	15	150
अन्य असुरक्षित	1,000	25	250
असुरक्षित इन्फ्रास्ट्रक्चर	1,500	20	300
संदिग्ध :			
एक वर्ष तक	500	25	125
तीन वर्ष तक	600	40	240
तीन वर्ष से अधिक	300	100	300
असुरक्षित संदिग्ध	1,600	100	1,600
हानि	1,00	100	100
आयोजन अपेक्षित			3,085

© The Institute of Chartered Accountants of India

14. व्यापार लाभ हानि खाता

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये

विवरण	अ (₹)	ब (₹)	स (₹)	विवरण	अ (₹)	ब (₹)	स (₹)
प्रारम्भिक रहतिया	8,500	5,700	1,200	बिक्री घटाइए			
क्रय का	22,000	17,000	8,000	विक्रय	50,000	30,000	20,000
भाड़ा एवं ढुलाई	14,00	8,00	2,00	वापसी	3,500	2,000	1,500
मजदूरी	8,00	7,00	2,00	अन्तिम			
सकल लाभ	20,800	7,800	11,900	स्टॉक			
	53,500	32,000	21,500		53,500	32,000	21,500
वेतन	2,250	1,350	9,00	सकल लाभ	20,800	7,800	11,900
शक्ति एवं पानी	6,00	3,60	2,40	शुद्ध हानि		4,65	
टेलीफोन व्यय	1,050	6,30	4,20				
डूबत ऋण	3,75	2,25	1,50				
किराया एवं कर	3,000	1,800	1,200				
बीमा	7,50	4,50	3,00				
छपाई एवं							
स्टेशनरी	1,000	6,00	4,00				
विज्ञापन	1,750	1,050	7,00				
ह्रास							
(2000 + 4000)	3,000	1,800	1,200				
शुद्ध लाभ	7,025		6,390				
	20,800	8,265	11,900		20,800	8,265	11,900

31.03.2015 को चिट्ठा

दायित्व			सम्पत्तियाँ		
पूँजी खाता	40,000		फर्नीचर एवं		
जोड़िए : शुद्ध लाभ			फिग्चर्स		4,600
(7,025 + 6,390)	13,415		प्लाण्ट एवं		
	53,415		मशीनरी	20,000	
घटाइएं : 'ब' विभाग की			*घटाइए* : ह्रास	2,00	18,000
शुद्ध हानि	465		मोटर वाहन	40,000	
	52,950		*घटाइए* : ह्रास	4,000	36,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

घटाइए : आहरण	1,500	51,450	विविध देनदार		12,000
विविध लेनदार		15,000	हस्तस्थ रोकड़		850
बैंक अधिविकर्ष		12,000	अन्तिम स्टॉक		7,000
अदत्त मजदूरी		200			
		78,650			78,650

15. **प्रथम सोपान : कमी की गणना**

शाखा स्टॉक खाता (बीजक मूल्य पर)

विवरण		विवरण	
प्रारम्भिक स्टॉक खाता			3,61,280
(74,736+1/3 of 74,736)	99,648	बिक्री	
		अन्तिम स्टॉक	1,23,328
शाखा को माल भेजा खाता			
(2,89,680+1/3 of2,89,680)	3,86,240	बिक्री के मूल्य में कमी	
		(शेष राशि)	1,280
	4,85,888		4,85,888

सोपान : 2

कमीशन के पूर्व शुद्ध लाभ की गणना

शाखा खाता

विवरण	₹	विवरण	₹
प्रारम्भिक (74,736 +1/3का74,736)	99,648	बिक्री	3,61,280
शाखा को माल भेजा खाता		अन्तिम स्टॉक	1,23,328
(2,89,680 + 1/3 का 2,89,680)	3,86,240	स्टॉक संचय खाता	24,912
व्यय	49,120	शाखा को माल भेजा खाता	96,560
रहतिया संचय खाता (1,23,328 × 25/100)	30,832		
शुद्ध लाभ बशर्ते मैनेजर का कमीशन	40,240		
	6,06,080		6,06,080

© The Institute of Chartered Accountants of India

सोपान : 3

मैनेजर को देय कमीशन की गणना

अ	10% लाभ की गणना कमीशन से पूर्व (40,240 × 10 / 100)	4,024
ब	*घटाइए* : स्टॉक के लागत में 25% कमी [(25% of (75%) of 1,280)]	(240)
स	वर्ष के लिये कमीशन (अ – ब)	3,784
द	*घटाइए* : खाते में भुगतान	(2,400)
ई	शेष बकाया	1,384

16. **न्यूयार्क (यूएसए) शाखा का तलपट(₹)**

31 मार्च, 2015

विवरण	डेबिट US$	क्रेडिट US$	विनिमय दर	डेबिट	क्रेडिट
स्थायी सम्पत्तियाँ	46,080		43	19,81,440	
स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास	5,120		43	2,20,160	
प्रारम्भिक स्टॉक	22,400		47	10,52,800	
क्रय	96,000		45	43,20,000	
विक्रय		1,66,400	45		74,88,000
मुख्य कार्यालय से माल	32,000			15,80,000	
भेजा	400		45	18,000	
आन्तरिक गाड़ी भाड़ा	5,200		45	2,34,000	
शाखा के व्यय		400	50		20,000
(4800 + 400)		45,600			20,50,000
अदत्त व्यय	9,600		50	4,80,000	
मुख्य कार्यालय खाता		6,800	50		3,40,000
व्यापारिक देनदार	2,400		50	1,20,000	
व्यापारिक लेनदार					1,08,400
रोकड़ एवं बैंक					
विनिमय पर फायदा (शेष राशि)					
	2,19,200	2,19,000		1,00,06,400	1,00,06,400

© The Institute of Chartered Accountants of India

विनिमय अन्तर ₹ 1,08,400 को लाभ–हानि विवरण पत्र में क्रेडिट किया जायेगा।

17. **(अ)** दी गई सूचनाओं के आधार पर,लेखा प्रमाप 4 चिट्ठे की तारीख के बाद होने वाली आकस्मिकताओं और घटनाओं के अनुसार निम्नलिखित व्यवहार की सिफारिश की गई।

(1) यह घटना समायोजित नहीं है, चूंकि वर्ष के पश्चात् घटना घटित हुई इसलिये यह चालू वर्ष से संबंधित नहीं है। किन्तु भविष्य में यह घटना महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत करती है। इसलिये, ऐसी घटनायें अनुमोदित प्राधिकारी के प्रतिवेदन में अभिव्यक्त करनी चाहिये।

(2) लेखा प्रमाप 4 के अनुसार चिट्ठा तिथि के बाद प्रकट घटनायें, वे महत्वपूर्ण घटनाएँ है अनुकूल तथा प्रतिकूल दोनों, एक कम्पनी की दशा में संचालक मण्डल द्वारा तथा किसी अन्य इकाई की दशा में सम्बन्धित अनुमोदित अधिकारी द्वारा जो चिट्ठा तिथि तथा अनुमोदित वित्तीय विवरण के अनुमोदन की तिथि के बीच घटित होती है। दो उत्पादक इकाइयों में अधिग्रहण का समझौता हुआ जिसका प्रारम्भ 30 अप्रैल, 2015 को हुआ उसको बोर्डस की रिपोर्ट में अवश्य प्रकट करना चाहिये। सम्पत्तियों एवं दायित्वों में समायोजन की कोई आवश्यकता नहीं है। जैसे 31मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के विवरणों में व्यक्त राशि की स्थिति तथा निर्धारण से यह घटनाएं प्रभावित नहीं होती है।

(3) 1 अप्रैल, 2015 से 1 जून, 2015 के दौरान विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाले विनिमय हानि को समायोजन की घटनायें नहीं माना जायेगा क्योंकि यह चिट्ठा तिथि की स्थिति से प्रभावित नहीं हैं। हानि को दर्शाना महत्वपूर्ण है तथा यह महत्वपूर्ण होगा कि इसको अनुमोदन वाले प्राधिकारी की रिपोर्ट में प्रकटीकरण किया जाय।

(ब) लेखा मानक 11 ''विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तनों के प्रभाव'' जब कोई वित्तीय अन्तर तब उत्पन्न होता है जब किसी विदेशी मुद्रा व्यवहार से उत्पन्न अंतर किन्हीं मौद्रिक मदों के निपटान की तिथि तथा व्यवहार की तिथि के बीच विनिमय दर में परिवर्तन से आता है। मौद्रिक मदों के भुगतान पर उत्पन्न विनिमय अन्तर एक संस्थान की मौद्रिक मदों की प्रतिवेदन पर विनिमय अन्तर जिन पर उनको अवधि के दौरान प्रारम्भिक रूप से प्रतिवेदन किया गया था, उस अवधि में आय या व्यय के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए।

उक्त के अनुसार, व्यापारिक प्राप्यों पर विनिमय अन्तर राशि ₹ 23,077 {5,23,077 (UA $ 8547 × ₹ 61.20) घटाइयें 5,00,000} को लाभ–हानि खाते से चार्ज किया जाना चाहिये।

18. **(अ)** लेखा मानक 12 'सरकारी अनुदान हेतु लेखांकन' कई सरकारी अनुदान प्रवर्तकों के अंशदान की प्रकृति के होते हैं अर्थात् ये एक उपक्रम में कुल निवेश के सन्दर्भ में

© The Institute of Chartered Accountants of India

या इसकी कुल पूँजी लागत की ओर से अंशदान के रूप में (उदाहरण के रूप में, केन्द्रीय विनियोग सहायता योजना) मानी जाती है तथा ऐसी अनुदानों की दशा में कोई पुनःभुगतान साधारण प्रत्याशित नहीं है अनुदान को पूँजी संचय की तरह मानना चाहिये उसको न तो लाभांश में बांटना चाहिये न ही आस्थगित आय माननी चाहिये।

र्स्माट लि, द्वारा मान्यता प्राप्त पिछड़े क्षेत्र में व्यापार को स्थापित करने के लिये जो अनुदान मिला है, उक्त सरकारी अनुदान प्रवर्तकों के अंशदान की प्रकृति के हैं जो योग्य (elgibale) विनियोग का 25% अनुदान के रूप में है तथा कोई पुनः भुगतान साधारणतया प्रत्याशित नहीं है।

अनुदान न तो किसी विशेष सम्पति से सम्बन्धित है न ही आय से सम्बन्ध है। उक्त केस में, कम्पनी अपने वित्तीय विवरण पत्र में अनुदान को आय के रूप में मान्यता नहीं दे सकती है। इसलिये, इसको पूँजी संचय के रूप में मान्यता मिलनी चाहिये जिसको न तो लाभांश में बाँटा जा सकता है न ही आस्थगित आय माना जा सकता है।

(ब) (अ) अवधि 2014–15 के लिये ब्याज

= US $ 10 लाख × 4% × ₹ 62 प्रति US$

= ₹ 24.80 लाख

(ब) मूलधन के सम्बन्ध में दायित्व की वृद्धि राशि

= US $ 10 लाख × (62–56) = ₹ 60 लाख

(स) अगर भारतीय मुद्रा में ऋण लिया जाता है तो ब्याज को होना चाहिये

= US $ 10 लाख × 56 × 10.5% = ₹ 58.80 लाख

(द) स्थानीय मुद्रा में उधार पर ब्याज एवं विदेशी मुद्रा में उधार पर ब्याज में अन्तर

= 58.80 लाख – 24.80 लाख

= ₹ 34 लाख

इसलिये 60 लाख के बढ़ते मूलधन राशि के दायित्व में से केवल ₹ 34 लाख उधार लागत के रूप में माना जायेगा। इसलिये ₹ 58.80 लाख कुल उधार लागत होगी जो कि विदेशी मुद्रा में उधार की लागत ₹ 24.80 लाख तथा स्थानीय मुद्रा के उधार पर ब्याज तथा विदेशी मुद्रा के उधार पर ब्याज पर अन्तर ₹ 34 लाख को जोड़कर आती है।

अतः लेखा मानक 16 के आधार पर ₹ 58.80 लाख उधार लागत के रूप में मान्यता मिलेगी तथा बकाया ₹ 26 लाख (60–34) को लेखा प्रमाप 11 के अन्तर्गत विनिमय अन्तर के रूप में लेखांकित किया जायेगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

19. (अ) पट्टे की प्रकृति का निर्धारण

तीसरे वर्ष के अंत में गैर–गारण्टी शुद्ध अवशिष्ट मूल्य का वर्तमान मूल्य

= 50,000 × 0.7513 = ₹ 37,565

पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य = 5,00,000 − 37,565 = 4,62,435

पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य का बाजार

मूल्य पर प्रतिशत = (4,62,435 / 5,00,000) × 100 = 92.487%

यह सारवान तौर पर पट्टे के भुगतान का अधिकांश भाग कवर करता है इसलिये यहाँ पर वित्तीय पट्टे की दशा उत्पन्न होती है।

(ब) सैद्धान्तिक अधिकार रहित प्रति अंश उचित मूल्य की गणना

$$\frac{\text{अधिकार प्रयोग से ठीक पूर्व सभी अदत्त अंशों का उचित मूल्य + अधिकार अंशों के अधिकार के प्रयोग से प्राप्त कुल राशि}}{\text{अधिकार के प्रयोग के पूर्व अदत्त अंशों की संख्या + अधिकार प्रयोग में निर्गमित अंशों की संख्या}}$$

$$= \frac{(21.00 \times 5,00,000 \text{ अंश}) + (15.00 \times 1,00,000 \text{ अंश})}{5,00,000 \text{ अंश} + 1,00,000 \text{ अंश}}$$

= सैद्धान्तिक अधिकार रहित प्रति अंश का उचित मूल्य = ₹ 20.00

समायोजन तत्व की गणना :

$$= \frac{\text{अधिकार प्रयोग के पूर्व अंशों का उचित मूल्य}}{\text{सैद्धान्तिक अधिकार रहित प्रति अंश का मूल्य}}$$

= (21.00 / 20.00) = ₹ 1.05

प्रति अंश आय की गणना

	वर्ष **2013–14**	वर्ष **2014–15**
वर्ष 2013–14 के लिये प्रतिअंश आय (EPS) जैसा कि मूल प्रतिवेदन (11,00,000 / 5,00,000 अंश)	₹ 2.20	
वर्ष 2013–14 के लिये प्रति अंश उपार्जन (EPS) अधिकार निर्गमन के लिये बताया (Resteated) {11,00,000 / (5,00,000 अंश × 1.05)}	₹ 2.10	
अधिकार निर्गमन के प्रभाव को शामिल करते हुए वर्ष 2014–15 के लिये प्रति अंश उपार्जन (EPS) $= \frac{15,00,000}{(5,00,000 \times 1.05 \times 2/12) + (6,00,000 \times 10/12)}$		**₹ 2.55**

© The Institute of Chartered Accountants of India

20. **(अ)** लेखा मानक 26 'अमूर्त सम्पत्तियाँ अमूर्त सम्पत्ति की ह्रास योग्य राशि का आबंटन उसके उपयोगी जीवन मे व्यवस्थित आधार (systematic) पर करना चाहिये। एक महत्वपूर्ण मान्यता यह है कि अमूर्त सम्पत्तियों का उपयोगी जीवन उसके प्रयोग करने के तिथि से 10 वर्ष से अधिक नही होना चाहिये। अपलेखन सम्पत्ति के प्रयोग होने की तिथि से प्रारम्भ होना चाहिये। लेखा मानक 26 के अनुच्छेद 78 के अनुसार यदि सम्पत्ति के सम्भावित महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ में परिवर्तन होता है तो अपलेखन पद्धति को परिवर्तित कर देना चाहिये तथा इस परिवर्तन को दर्शाना चाहिये।

कम्पनी सम्पत्ति के अपलेखन की 8 वर्ष की नीति लागू करती है। दिनांक 01.04.2015 को पाँच वर्ष बीत जाने के बाद ₹ 30 लाख की सम्पत्ति बाकी थी। अगर उक्त नीति को चालू रखा जाये तो मात्र तीन वर्ष अपलेखन के लिये बाकी बचता है। कम्पनी शेष राशि के लिये बची हुई तीन वर्ष की अवधि के स्थान पर अगले 5 वर्ष तक अपलेखन अवधि को बढ़ा दे। सुझाव दीजिये कि क्या कम्पनी अपलेखन अवधि को अगले 5 वर्षो तक बढ़ा सकती है। उपयोग जीवन के परिवर्तन से बकाया ₹ 30 लाख का अगले 5 वर्षो में अपलेखन किया जा सकता है।

(ब) (i) लेखा मानक 29''प्रावधान, आकस्मिक दायित्व एवं आकस्मिक सम्पत्तियाँ''में बताया गया है कि एक उपक्रम की विगत घटना के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व में यह संभावित है कि संसाधन (Resources) के बहिगर्मन (outflow) के लिये दायित्वों का विश्वसनीय अनुमान तथा आयोजन की मान्यता देनी चाहिये। सन लि. का दायित्व है कि निश्चित समय पर माल की सुपुर्दगी की जाये जैसा कि ठेके में है। भुगतान के प्रसंविदा में हैं। ऐसी सम्भावना है कि सन लि. सुपुर्दगी अपने निश्चित समय में पूर्ण न कर सके तथा क्षतिपूर्ति के गणना की आवश्यकता पड़े। अतः लेखाप्रमाप 29 के अनुसार सन लि. को ₹ 1.5 करोड़ आकस्मिकताओं के लिए प्रावधान किया जाना चाहिये।

(ii) लाभ से अधिक क्षतिपूर्ति के भुगतान के लिये आयोजन का मापन नहीं करना चाहिये। वस्तुओं का उत्पादन 31 मार्च, 2014 से पहले नहीं हुआ था तथा वित्तीय वर्ष 2013-14 में कोई लाभ उत्पन्न उपार्जित नहीं हुआ। इसलिये, प्रावधान बनाना चाहिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India